

शार्ट न्यूज

सैकड़ों लोगों की मागीदारी के साथ भारत जोड़े यात्रा फिर शुरू

पलक्कड़ (केरल) । कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ‘भारत जोड़ो’ यात्रा के 19 वें दिन सोमवार को इस जिले के शोरनूर के सैकड़ों लोगों की भागीदारी के साथ फिर से शुरू हुयी। भारत जोड़ो यात्रा के इस केरल चरण का सुबह साढ़े दस बजे पट्टाबी में ठहराव होगा। इसके बाद यह यात्रा शाम पांच बजे फिर से शुरू होकर शाम सात बजे पलक्कड़ के कोप्पम पहुंचेगी। राज्य की 19 दिनों की यह यात्रा एक अक्टूबर को कर्नाटक में शुरू होने से पहले सात जिलो से होकर गुजरेगी और 450 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को कवर करेगी। पांच महीने तक चलने वाली भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से श्रीनगर तक साढ़े तीन हजार किलोमीटर से अधिक लंबी पैदल यात्रा है। यह सामाजिक भ्रूवीकरण, आर्थिक अस्मानताओं और राजनीतिक केंद्रीकरण को उजागर करने के उद्देश्य से पार्टी के राष्ट्रीय जन संपर्क कार्यक्रम का हिस्सा है।

भारत जोड़ो यात्रा ने तय की 420 किलोमीटर की दूरी

कोप्पम (केरल) । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की सात सितम्बर को शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा आज केरल के कोप्पम पहुंची। भारत जोड़ो यात्रा सुबह साढ़े छह बजे शोरनरपुर जक्शन से शुरू हुई और 10 बजे पट्टाम्बोी पहुंची। पट्टाम्बी में गांधीजी अपनी यात्रा के दौरान गये थे और वहां उनकी मूर्ति स्थापित है जिस पर यात्रियों ने आज माल्यापण किया। शाम को यात्रा फिर शुरू हुई और यहां रात्रि विश्राम के लिए पहुंची। दिन में श्री गांधी ने पल्लकडजिले के अट्टापटी में आदिवासियों के साथ बातचीत की। सभी आदिवासियों ने अपने इलाकों में चिकित्सा सुविधा को ज्यादा व्यापक और बेहतर बनाने की मांग की।

कर्नाटक में आतंकवादी संकटन के साथ संबंधों को लेकर एक और गिरफ्तारी

कोप्पल। कर्नाटक में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के साथ कथित संबंधों के आरोप में पुलिस ने एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक एक दिन पहले शिवमोगा जिले से गिरफ्तार दो लोगों से सुराग मिलने के बाद फल विक्रेता शम्बीर को कोप्पल जिले से गिरफ्तार किया गया था। जिन लोगों को पिछले हफ्ते आतंकवादी संगठन आईएसआईएफ से संबंध रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, उन्होंने शिवमोगमा में तुंगा नदी के किनारे एक ‘ट्रयल विस्फोट’ को अंजाम दिया था। पुलिस ने 19 सितंबर को शिवमोगा के सैयद यासीन और मंगलुरु के मज मुनीर अहमद को गिरफ्तार किया था।इलेक्ट्रिकल इंजीनियर यासीन ने एक ऑनलाइन स्टोर के माध्यम से एक गैजेट खरीदा था तथा स्थानीय स्तर पर एक बैटरी, तार और अन्य सामग्री प्राप्त की थी। आरोपियों ने चैट एप्लिकेशन टेलीग्राम पर चलने वाले अपने एकतरफा संचार चैनल अल-हयात पर आईएसआईएफ द्वारा साक्षात् किए गे वीडियो को देखकर खम बनाना सीखा है। उन्होंने बताया कि एक अन्य आरोपी शारिक फिलहाल फरार है। उसके खिलाफ 2020 में मेंगलुरु में दर्ज किए गए आपत्तिजनक भित्तिचित्र मामले में शामिल होने का आरोप है।

यूकेएसएसएससी भर्ती घोटाले में हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

नैनीताल। बहुचर्चित उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) भर्ती घोटाला मामले में उच्च न्यायालय ने सरकार को संशोधन प्रार्थना पत्र आपत्ति दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी। इस मामले की सुनवाई वरिष्ठ न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा की युगलपीठ में हुई। याचिकाकर्ता कांग्रेस नेता व विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष भुषन चंद्र कापड़ू की ओर से सोमवार को इस मामले में संशोधित प्रार्थना पत्र पेश किया गया। अदालत ने उसे स्वीकार करते हुए सरकार को इस पर आपत्ति दर्ज करने के लिए 12 अक्टूबर तक जवाब पेश करने के निर्देश दिए। याचिकाकर्ता की ओर से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग करते हुए संशोधित प्रार्थना पत्र में कुछ तथ्यों का खुलासा किया गया है। इसमें यह भी कहा गया कि एसटीएफ सफेदपोश व बड़े लोगों को बनाने में लगी है। सिर्फ छोटे लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। इसलिए इस मामले की सीबीआई जांच करायी जाये।घोटाले के तार उत्तराखंड के अलावा उत्तर प्रदेश से भी जुड़े हैं। याचिकाकर्ता ने पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले की तर्ज पर इस भर्ती घोटाले की जांच सीबीआई से कराए जाने की मांग की है।

हाईकोर्ट ने कुख्यात डान प्रकाश पांडे को सुरक्षा प्रदान कराने के दिये निर्देश

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने चमोली जेल में बंद कुख्यात डान प्रकाश पांडे उर्फ पीपी को अन्य राज्यों में पेशी के दौरान सुरक्षा प्रदान करने और उपयुक्त भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। वरिष्ठ न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा की अदालत में प्रकाश पांडे की ओर से याचिका दायर कहा गया कि वह गंभीर हृदय रोग से पीड़ित है। उसका उपचार सही तरीके से नहीं किया जा रहा है। पुलिस उपचार के नाम पर सामान्य अस्पताल में दिखाकर इतिथी कर लेती है। जिससे उसे उचित उपचार नहीं मिल पा रहा है। साथ ही उसे उपयुक्त भोजन भी नहीं मिल पा रहा है। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि उसकी जान को खतरा है। पेशी के दौरान उत्तराखंड की पुलिस उसे अन्य राज्यों की पुलिस को सौंप देती है जिससे उसकी जान को खतरा है। उसे मारने के लिये दो बार असफल प्रयास किया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से दूसरे राज्यों में पेशी के दौरान उत्तराखंड पुलिस को सुरक्षा उपलब्ध कराने और जेल में कम तेल व मसाला युक्त भोजन उपलब्ध कराने की मांग की गयी। अदालत ने याचिकाकर्ता की दोनों मांगे मान ली और याचिकाकर्ता को हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल में उपचार कराने और उपयुक्त भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश सरकार को दिये हैं।

हिमाचल में एक्स, इंजीनियरिंग कॉलेज का पांच अक्टूबर को उद्घाटन करेंगे मोदी

बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी पांच अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में एक्स और बांदला में हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज का उद्घाटन करेंगे। मोदी इसके अलावा शहर में एक विशाल रेती को संबोधित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक सुभाष ठाकुर ने सोमवार को यहां बताया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों को अंतिम रूप देने के लिए मंगलवार को बैठक की जाएगी। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले पांच अक्टूबर को ही प्रधानमंत्री ने प्रदेश में एक्स संस्थान की नींव रखी थी। उद्घाटन के बाद एक्स बिलासपुर में लोगों को आईपीडी और अन्य आपातकालीन सुविधाएं मिलने लंगेंगी।

सिलार्इ सेंटर के माध्यम से स्वावलंबी बन स्वरोजगार स्थापित करें महिलाएं : गणेशी लाल

सिरसा। ओडिशा के रज्जपाल प्रोफेसर गणेशी लाल ने सोमवार को सिरसा में स्वर्गीय सुशीला देवी की स्मृति में सिलार्इ सेंटर का उद्घाटन किया और उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों में बेम वितरित किए। प्रो. लाल ने इसके बाद अतिरिक्त अनाज मंडी सिरसा में मां दुर्गा देवदार सभिति में पहुंच कर आमजन से भेंट की। महामहिम राज्यपाल ने संबोधित करते हुए कहा कि सिलार्इ सेंटर में आपसपर रहने वाली लड़कियों एवं महिलाओं को सिलार्इ सिखा कर उन्हें स्वावलंबी बनाया जाएगा ताकि वे भविष्य में अपना स्वरोजगार स्थापित कर अपनी आजीविका बढ़ाकर परिवार को आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सके। उन्होंने प्रबंधकों से अपील की कि वह अधिक से अधिक लोगों को सिलार्इ शिक्षा से जोड़ें ताकि गरीब व्यक्ति यहां से शिक्षा प्राप्त करके स्वरोजगार से जुड़ सके। इस सेंटर का लाभ अधिक से अधिक जरूरतमंदों को मिले, इसके प्रयास किए जाएं। इस मौके पर सभाजसेवी मुनीष सिंगला, निजी सचिव विनोद स्वामी, किरण मुंड, परवीन, वर्षा दूमडा, दीप्ति, वीना, रेणु, अंजू, रजनी, ललिता, उषा डुमड़, पायल, वशिका, रचना सुधा, सुनीता मकड़, स्वाति गुप्ता मौजूद थे।

कांग्रेस अध्यक्ष की रेस से बाहर अशोक गहलोत

मल्लिकार्जुन खड़गे, मुकुल वासनिक, कमलनाथ जैसे नेता भी अब अध्यक्ष पद की रेस में

नई दिल्ली। कांग्रेस के अध्यक्ष पद की रेस राजस्थान संकट के चलते रोचक हो गई है। अशोक गहलोत का सीएम पद का मोह अब उन पर भारी पड़ता दिख रहा और कांग्रेस अध्यक्ष की रेस से उन्हें बाहर कर दिया गया है। कांग्रेस के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि हाईकमान की इच्छा के विपरीत जाकर अशोक गहलोत का 82 विधायकों के इस्तीफा का दांव चलना गांधी परिवार को अच्छा नहीं लगा है। ऐसे में उन्हें लेकर अब गांधी परिवार रिस्क नहीं ले रहा है और अब उन्हें अध्यक्ष पद की रेस से बाहर कर दिया गया है। यही नहीं चर्चाएँ तो यहां तक हैं कि अब सीएम पद पर भी किसी और नेता को लाया जा सकता है। अब कहा जा रहा है कि मल्लिकार्जुन खड़गे, मुकुल वासनिक, कमलनाथ जैसे नेता भी अब अध्यक्ष पद की रेस में आ गए हैं। यही नहीं दिग्विजय सिंह भी अध्यक्ष पद के

प्रशिक्षु उड़ान अधिकारी को किया था कदाचार के आरोप में बर्खास्त : आईएफएफ

बेंगलुरु। भारतीय वायु सेना (आईएफएफ) ने सोमवार को कहा कि वायु सेना तकनीकी कॉलेज (एएफटीसी) में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए गए। इससे पहले प्रशिक्षु उड़ान अधिकारी अंकित कुमार झा को साथी महिला प्रशिक्षु अधिकारी के साथ कदाचार का दोषी पाए जाने के बाद बर्खास्त किया गया था। आईएफएफ ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि अंडर ट्रेनी फ्लाइटऑ ऑफिसर (यूटीएफओ) अंकित झा फरवरी 2021 में वायु सेना में भर्ती हुआ था और गत 20 सितंबर को उनका प्रशिक्षण रोककर उन्हें बर्खास्त कर दिया गया और इस बारे में उनके पिता को भी सूचना दी गई थी। उन्हें कैंट ऑफ इंकॉयरी की सिफारिश पर बर्खास्त किया गया है। इस इंकॉयरी का गठन अंकित झा की सहयोगी महिला ट्रेनी अधिकारी द्वारा गत 30 जून को की गई शिकायत के बाद किया गया था। इंकॉयरी में अंकित झा कदाचार के कृत्य में लिस पाए गए थे। उन्होंने बताया कि वायु सेना मुख्यालय से मंजूरी मिलने से पहले कई स्तर पर विधिवत जांच की कार्रवाई की गई थी। उन्होंने बताया कि श्री झा की मौत में मामले में वायुसेना पुलिस की ओर से की जा रही जांच में सहयोग कर रही है। बेंगलुरु पुलिस ने झा की कथित हत्या के आरोप में वायुसेना के छह अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन्हें अभी गिरफ्तार किया जा रहा है। इससे पहले 27 वर्षीय झा के पिता यू के झा ने यूतीवार्ता को बताया कि पुलिस उनके बेटे की मौत को आत्महत्या का मामला बनाने की कोशिश कर रही है। एएफटीसी आईएफएफ द्वारा चलाया जाता है और जो सैन्य वैमानिकी इंजीनियरों को प्रशिक्षित करता है।

तेलंगाना में गरज के साथ बौछारें पड़ने के आसार : मौसम विभाग

हैदराबाद। तेलंगाना, केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी और कराइकाल क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर अगले पांच दिनों तक गरज के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि राज्य के कुछ जिलों में अलग-अलग हिस्सों पर अगले मंगलवार से शुक्रवार तक मध्यम से हल्की बारिश या गरज के

साथ बौछारें पड़ने अनुमान हैं। राज्य के कई जिलों के कुछ स्थानों पर पिछले

गहलोत ने नवरात्र स्थापना पर की पूजा-अर्चना
जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नवरात्र स्थापना पर आज यहां पूजा-अर्चना की। श्री गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास स्थित राज राधेश्री मंदिर में भोजन कार्यक्रम में सपरिवार भाग लिया और हवन में आहुति दी और माता की आरती उतारी। उन्होंने मां दुर्गा से प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेन्द्र राठीडू, राजस्थान लघु उद्योग विकास निगम के चेयरमैन रजोव अरोड़ा, जन अभाव अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर, पशुधन विकास बोर्ड के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह सोलंकी, राज्य मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रमेश चोराणा तथा अन्य गणमान्य लोग एवं मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

आढ़तियों की मांग नहीं मानी तो हरियाणा-पंजाब के सीमा करेंगे सील : रविंद्र सिंह चीमा

एजेंसी
सिरसा। हरियाणा सरकार ने यदि आढ़तियों की मांग को जल्द ही पूरा नहीं किया तो हरियाणा और पंजाब के आढ़ती किसानों के साथ मिलकर दोनों प्रदेशों की सीमा को सील कर देंगे ताकि हरियाणा का किसान पंजाब की मॉडियों में फसल न बेच सके। यह चेतावनी सोमवार को पंजाब मंडी आढ़ती एसोसिएशन के प्रदेशअध्यक्ष रविंद्र सिंह चीमा ने सिरसा में दी। श्री चीमा सिरसा में आढ़ती एसोसिएशन सिरसा के अनाजमंडी में

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर भी 1971 में ही फैसला होना चाहिए था : राजनाथ

एजेंसी
नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि सरकार आतंकवाद का डटकर मुकाबला कर रही है लेकिन उनके मन में पाकिस्तान में युद्ध सुरु होने की संभावना के खिलाफ 1971 की लड़ाई को लेकर एक कसक है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर भी उसी समय निर्णय हो जाना चाहिए था। सिंह ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए प्राणों का बलिदान देने वाले शहीदों के

में 11, तिरुवरुर जिला के मन्नारगुडी में 10 सेमी, त्रिची जिला के नवलुर, पुलंबडी, नंदियार हेड और तंजावुर जिला के पट्टकोट्टई नौ सेमी, कुड्डलोर जिला के कट्टुमयिलूर और तंजावुर जिला के तंजावुर पीटीओ में आठ सेमी, नीलगिरी जिले के नादुवट्टम में सात सेमी, पेरम्बलुर के अग्ररम सीगूर में छह सेमी, कल्लक्कुरिची जिला के कल्लक्कुरिची में पांच सेमी, कल्लक्कुरिची जिले के कल्याणल्लूर में चार सेमी,

बैंक से 25 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक गिरफ्तार

एजेंसी
बैंक मैनेजर हरभजन सिंह कपूर और बैंक पैनल के वेल्टुर सतीश कुमार शर्मा की मिलीभगत से मंजूर करवाया था।उन्होंने बताया कि उपरोक्त मुकदमे में कुल 16 आरोपी हैं जिनमें से छह आरोपियों राज कुमार निवासी ठांटियला मोहल्ला, फगवाड़ा, वेल्टुर सतीश कुमार शर्मा, सुभाष कुमार निवासी महिन्दवानी जिला होशियारपुर, अवतार सिंह निवासी आशा पार्क कालोनी फगवाड़ा, पंजब

राजस्थान में स्थिति के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष को सौपी जायेगी रिपोर्ट

जयपुर। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि राजस्थान में नये मुख्यमंत्री को लेकर बुलाई गई कांग्रेस विधायक बैठक नहीं हो पाने एवं यहां की स्थिति के बारे में रिपोर्ट पार्टी अध्यक्ष को सौपी जायेगी। इस मामले में कांग्रेस पर्यवेक्षक के रूप में जयपुर आये श्री खड़गे ने आज दिल्ली रवाना होने से पहले मीडिया से कहा कि इस मामले में जो कुछ भी होगा, वह यहां की स्थिति के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष को बताई जायेगी और जो अध्यक्ष का फैसला होगा वह मानना पड़ेगा।

सर्जिकल स्ट्राइक, और बालाकोट एयर स्ट्राइक करके हमने दिखाया है हमने हाल ही में 1971 के युद्ध में विजय की स्वर्ण जयंती मनाई है।1971 के युद्ध

को इतिहास में, किसी प्रकार की संपत्ति, अधिकार या सत्ता की बजाय मानवता के लिए लड़े गए युद्ध के रूप में याद रखा जाएगा। एक कसक रह गई। काश उसी समय ही पीओके पर निर्णय हो गया होता। उन्होंने कहा कि भारत ने किसी भी देश के स्वाभिमान को चोट पहुंचाने

ओडिशा में जनजातियों के विश्वकोश के पांच संस्करण जारी

धुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोमवार को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अनुसंधान, प्रशिक्षण संस्थान और ओडिशा राज्य जनजातीय संग्रहालय द्वारा प्रकाशित ओडिशा में जनजातियों के विश्वकोश के पांच संपादित संस्करणों का विमोचन किया।

सभी जनजातियों का विश्वकोश प्रकाशित करने वाला ओडिशा एकमात्र राज्य बन गया है। सभी पांच संपादित संस्करणों में 3800 पृष्ठ और 418 शोध लेख शामिल हैं जिनमें सभी 62 अनुसूचित जनजाति समुदायों और 13 जनजातियां समूहों को शामिल किया गया है।

इस तरह के दुर्लभ और प्रभावशाली प्रकाशन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्री पटनायक ने कहा, यह पुस्तक निश्चित रूप से सभी शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और राज्य के आदिवासी समुदायों के बारे में जानने के इच्छुक

जैसे नेता सोनिया गांधी के करीबी माने जाते हैं। अब केसी वेणुगोपाल के अध्यक्ष बनने से यह भी संदेश जाएगा कि पार्टी युवा नेताओं को आगे बढ़ा रही है।

गुलाम नबी आजाद ने किया नई पार्टी का ऐलान, ‘डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी’ रखा नाम



स्वतंत्रता, खुले विचार, कल्पना और सागर की गहराई से आकाश की ऊंचाई तक को दिखाता है। आजाद ने कहा, लोगों ने उर्दू, संस्कृति, हिंदी में नाम सुझाए हैं। हालांकि हम ऐसा नाम चाहते थे जिसमें डेमोक्रेटिक, शांति और स्वतंत्र तीनों बातें हों।

73 वर्षीय गुलाम नबी आजाद ने 26 अगस्त को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। इसके अलावा उन्होंने सोनिया

गांधी को लंबा चौड़ा पत्र भी लिखा था और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा था। बता दें कि गुलाम नबी आजाद जी-23 नेताओं में शामिल थे। उनके पार्टी छोड़ने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस चीफ फारूक अब्दुल्ल ने भी उन्हें ऑफर दिया था और कांग्रेस की आलोचना की थी।

बारिश से फसल खराब होने पर किसानों को अंतरिम मुआवजा दिया जाए : राजविंदर

जालंधर। महिला किसान यूनियन की अध्यक्ष राजविंदर कौर राजू ने पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण पूरे पंजाब में हजारों एकड़ खरीफ की फसलों के जलमगन होने और बर्बाद होने के कारण फसलों की गिरदावरी करवाने और किसानों को मुआवजा देने की मांग की है। किसान नेता ने सोमवार को यहां पत्रकारों से बात करते हुए दुःख जताया कि धान की पकी हुई और कपास की खड़ी फसलों समेत सब्जियों के नष्ट होने से हर किसान और उत्पादक को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि भारी बारिश के कारण खेतों में खड़ी सभी तरह की फसलें प्रभावित हुई हैं। इस बारिश से धान की कटाई और गेहूं की बुवाई का समय बदल जाएगा, जिससे पराली जलाने की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

विष्णुपुरम जिले के गिंगी में तीन सेमी, टूथकुडी जिला के कायथर एआरजी में दो सेमी तक बरसात हुई।

मौसम एजेंसी ने बताया कि अगले 24 घंटे में बादल छाए रहेंगे और कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछार पड़ने के आसार हैं। न्यूनतम और अधिकतम तापमान क्रमशः 34 से 35 डिग्री सेल्सियस और 27 डिग्री सेल्सियस रहने के अनुमान हैं।

विष्णुपुरम जिले के गिंगी में तीन सेमी, टूथकुडी जिला के कायथर एआरजी में दो सेमी तक बरसात हुई।

मौसम एजेंसी ने बताया कि अगले 24 घंटे में बादल छाए रहेंगे और कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछार पड़ने के आसार हैं।

न्यूतम और अधिकतम तापमान क्रमशः 34 से 35 डिग्री सेल्सियस और 27 डिग्री सेल्सियस रहने के अनुमान हैं।

विष्णुपुरम जिले के गिंगी में तीन सेमी, टूथकुडी जिला के कायथर एआरजी में दो सेमी तक बरसात हुई।

विष्णुपुरम जिले के गिंगी में तीन सेमी, टूथकुडी जिला के कायथर एआरजी में दो सेमी तक बरसात हुई।

संपादकीय



गला बैठ गया, पर पाकिस्तान

कश्मीर राग छोड़ता नहीं

किसी भी इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर आप क्या बोल रहे हैं और आप के बारे में क्या बोला जा रहा है, ये दोनों बातें बहुत ही महत्व की होती हैं। यूनाइटेड नेशंस जनरल एसेम्बली में अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, यूक्रेन सहित अनेक देशों के मुखियाओं ने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खूब प्रशंसा की है। जबकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज खान शरीफ ने शुक्रवार को फिर वही पुराना राग अलापा। यूएन की जनरल एसेम्बली में पाकिस्तान के प्रधानमंत्रियों ने पिछले एक दशक से अधिक दिए गए अपने भाषणों को देखा जाए तो एक ही बात दिखाई देगी कि सभी नेताओं ने एक ही राग गाया है। भारत और कश्मीर के अलावा इन सभी को कुछ दूसरा दिखाई ही नहीं देता। पूरी दुनिया इस बात को जानती है कि पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़ है। कश्मीर में जो कुछ भी हो रहा है, पाकिस्तान के स्पॉन्सर्ड टेररिज्म के कारण हो रहा है। फिर भी पाकिस्तान यही कहता है कि कश्मीर के लोगों पर भारत की सेना दमन कर रही है। शुक्रवार को शाहबाज शरीफ ने यूएन पर भारत एक एसेम्बली को संबोधित किया था। संयोग से उस दिन शाहबाज का जन्मदिन था। उनके भाषण के बाद पाकिस्तान में क्या हुआ? शाहबाज शरीफ बोल ही रहे थे, तभी एसेम्बली की खाली कुर्सियों की फोटो पाकिस्तान के ही लोगों ने सोशल मीडिया पर डाल कर लिखा कि हमारे प्रधानमंत्री की बात कोई सुनने को तैयार नहीं है। इमरान खान के समर्थकों को तो मजा आ गया। इन लोगों ने तो इमरान खान जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे और यूएन की एसेम्बली में बोले थे तो कितने लोग थे और उस समय किस तरह कोवे उड़ रहे थे, इन दोनों के फोटो एक साथ डाले थे। शाहबाज शरीफ ने भारत के बारे में जो कुछ भी कहा, उसके बारे में वहां के बुद्धजीवियों का कहना है कि कब तक भारत और कश्मीर का राग अलापते रहोगे? एक ही राग अलापते हुए अब तक तो आप का गला बैठ गया होगा। आज भारत कहा है और हम कहते हैं। दुनिया के देशों से भीख मांग कर देश चलाना पड़ रहा है। खुद शाहबाज शरीफ पहले यह कह चुके हैं कि पाकिस्तान को कोई भाव नहीं दे रहा है। हम किसी को भी फोन करने हैं तो वह यही सोचता है कि लाता है किसी मदद की जरूरत पड़ी है। किसी देश का मुखिया दूसरे देश के बारे में कुछ गलत कहता है तो उस देश को उसकी बात का जवाब देने का अधिकार मिलता है। इसे राइट टू रिप्लाई कहते हैं। भारत ने शाहबाज शरीफ को सही जवाब दिया कि झूठ बोलना बंद करो। यूनाइटेड नेशंस में भारतीय मिशन के फर्स्ट सेक्रेटरी मिजिटो विनियो ने कहा कि पाकिस्तान अपने कुकर्मों को दबाने के लिए भारत की ओर अंगुली उठा रहा है। पाकिस्तान क्या है और वहां क्या चल रहा है, अब यह सबके की ज़रूरत नहीं है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते रहते हैं। जबकि शाहबाज शरीफ उल्टा ही बोलते हैं। वैसे तो शाहबाज शरीफ भी भारत के साथ अच्छे संबंधों की बात करते हैं, पर इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर उनके सुर बदल जाते हैं। दुनिया के पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स कहते हैं कि पाकिस्तान के राजनीतिज्ञ अपनी राजनीति को टिकाए रखने के लिए भारत और कश्मीर का उपयोग करते हैं। जबकि वे लोग बहुत जाते हैं कि अब वे हथियार उनके लिए गोठिल हो चुके हैं। पाकिस्तान ओपेनपुइड कश्मीर के लोग उन्हें की सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं। बलूचिस्तान में पाकिस्तान की सेना स्थानीय लोगों पर जो अत्याचार कर रही है, वह सभी को पता है। अब तो बलूचिस्तान के लोगों ने भी हथियार उठा लिए हैं और पाकिस्तानी सैनिकों को मार रहे हैं। चीन पाकिस्तान इकोनॉमिक कोरिडोर के नाम पर चीन जो शोषण कर रहा है, उससे परेशान हो कर वहां के लोग चीन के नागरिकों को भी निशाना बना रहे हैं। पाकिस्तान खुद भूखो मर रहा है। पाकिस्तान में आई बाढ़ में करीब पंद्रह सौ लोगों की मौत हुई है। लाखों लोग बेघर हुए हैं। शाहबाज शरीफ ने कहा है कि बाढ़ के कारण लोग चालीस चालीस दिन तक परेशान हुए हैं। 13.3 करोड़ लोगों को बाढ़ों का खतरा मंडा रहा है। साढ़े छह लाख महिलओं ने तंबू में बच्चों को जन्म दिया है। शाहबाज यह नहीं स्वीकार करते हैं कि बाढ़ के बाद राहत कार्यों में और लोगों का ध्यान रखने में सरकार पूरी तरह असफल रही है।

हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं

मानसिक विकृति के शिकार कुछ बंदूकधारियों द्वारा निरिह लोगों की हत्या कर अपना मकसद साध लेना ही आतंकवाद की श्रेणी में नहीं आता है, बल्कि शक्ति संपन्न राष्ट्रों द्वारा अपनी विस्तारवादी सामंती अवधारणा को पूरा करने के लिए छोटे देशों पर हमला करना भी आतंकवाद ही है। आतंकवाद का ताजा उदाहरण है, अमेरिका की दादागिरी, चीन का पागलपन, उत्तर कोरिया की सनक इन सबके विभक्त उदाहरण हैं जो अपनी व्यवसायिक, सामरिक और मानसिक सनक को पूरा करने के लिए किसी भी देश को नेस्तनाबूद कर नागरिकों पर कहर ढाकर और देशों को घात उतार देते हैं। साढ़े छह लाख महिलओं ने तंबू में बच्चों को जन्म दिया है। शाहबाज यह नहीं स्वीकार करते हैं कि बाढ़ के बाद राहत कार्यों में और लोगों का ध्यान रखने में सरकार पूरी तरह असफल रही है।

विश्व पर्यटन दिवस- 27 सितम्बर, 2022 पर विशेष

पर्यटन में छिपे हैं खुशियों के उजाले



- ललित गर्ग -

आज हर व्यक्ति किसी-ना-किसी परेशानी से घिरा हुआ है, महंगाई, बेरोजगारी, भय और जीवनसंकट के इस दौर में ऐसा लगता है मानो खुशी एवं मुस्कान तो कहीं गुम हो गई है। बावजूद इन सबके हर व्यक्ति को अपने जीवन में कुछ समय ऐसा जरूर निकालना चाहिए जिसमें खुशी, शांति एवं प्रसन्नता के पल जीवंत हो सकें, इसका सशक्त माध्यम है पर्यटन। खुशियों को गले लगाने के लिये एवं शांति एवं उल्लासपूर्ण जीवन जीने के लिये पर्यटन पर जरूर निकलना चाहिए। जीवन में पर्यटन के सर्वाधिक महत्व के कारण ही हर साल 27 सितम्बर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है।

पर्यटन सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को वापस लाने में ही मदद नहीं करेगा बल्कि यह किसी भी देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी बनेगा। इतिहास में समूची अर्थव्यवस्था अस्तव्यस्त हो गयी है, हर देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है उसमें पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। क्योंकि कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। यूरोपीय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश,

कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और भारत आदि ऐसे देश हैं जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां को अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है।

पर्यटन का महत्व और पर्यटन की लोकप्रियता को देखते हुए ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1980 से 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के तौर पर मनाने का निर्णय लिया। विश्व पर्यटन दिवस के लिए 27 सितंबर का दिन चुना गया क्योंकि इसी दिन 1970 में विश्व पर्यटन संगठन का संविधान स्वीकार किया गया था। पर्यटन दिवस को वैश्विक पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास हेतु मील के पत्थर के रूप में देखा जाता है एवं इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विश्व में इस बात को प्रसारित तथा जागरूकता फैलाने के लिए है कि किस प्रकार पर्यटन वैश्विक रूप से, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक तथा आर्थिक मूल्यों को तथा आपसी समझ बढ़ाने में सहायता कर सकता है। भारत जैसे देशों के लिए पर्यटन का खास महत्व है। देश की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राज्य प्राप्ति का भी स्रोत है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। आज भारत जैसे देशों को देखकर ही विश्व के लगभग सभी देशों में पुरानी और ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण, संवर्द्धन किया जाने लगा है।

भारत असंख्य पर्यटन अनुभवों और मोहक स्थलों का देश है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हों, इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। केरल, शिमला, गोवा, आगरा, राजस्थान,



मध्य प्रदेश, मथुरा, काशी जैसी जगहों तो अपने विदेशी पर्यटकों के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। भारत में अपने लोगों के साथ लाखों विदेशी लोग प्रतिवर्ष भारत घूमने आते हैं। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों या खूबसूरत समुद्री-तटों की यात्रा पर निकले हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में तो लोगों को घूमते-घूमते महीना बीत जाते हैं।

भारत अपनी सुंदरता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। भारत में विभिन्न संप्रदाय-धर्म और जाति के लोग एक साथ मिलकर रहते हैं। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक धरोहर के कारण भारत दुनिया के प्रमुख पर्यटन देशों में शुमार होता है। यहां के हर राज्य की अलौकिक और विश्वकण विशिष्टताएँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। उन पर्यटकों के लिए भारत-यात्रा का विशेष आकर्षण है जो शांत, जादुई, सौंदर्य और रोमांच की तलाश में रहते हैं। इन पर्यटकों के लिये भारत में विपुल यात्रा साहित्य अपनी एक विशेष पहचान

और उपयोगिता को लेकर प्रस्तुत होता रहा है। अब तक यात्रा साहित्य की दृष्टि से राहुल सांकृत्यायन का 'मेरी तिब्बत यात्रा', डॉ. भगवतीशरण उपाध्याय का 'सागर की लहरों पर', कपूरचंद कुलिया का 'मैं देखा चला गया', धर्मवीर भारती का 'ढेले पर हिमालय' तथा नेहरू का 'आंखों देखा रूस', रामेश्वर टाटिया का 'विश्व यात्रा के संस्मरण', आचार्य तुलसी का यात्रा साहित्य की ही भांति मेरे मित्र श्री पुखराज सेठिया का 'आओ घूमे अफ्रीका' एक मार्मिक और रोचक यात्रा-वृत्तंत है। इन ग्रंथों में तथ्यपरकता, भौगोलिकता, रोचकता, सरसता और सहजता आदि यात्रा-वृत्त के सभी गुण समाहित हैं।

यात्रा ग्रंथों के कारण देश की इन विविधताओं ने ही देश एवं दुनिया के अनेक यायावरी लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया है। इन यायावरी पुरुषों के जीवन का लक्ष्य जीवन की आपाधापी, भागदौड़ से हटकर प्रमुख पर्यटन स्थलों के बीच जीवन के मायने ढूंढना रहा है। इसी सत्य की खोज ने उन्हें ऐसे-ऐसे ऐतिहासिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्थलों से साक्षात्कार करवाया है। इनकी इन्हीं यात्राओं के दौरान अनुभूत तथ्यों का प्रभावी एवं जीवंत चित्रण इन यात्रा

ग्रंथों में किया है। जो अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण सामग्री एवं मौलिक तथ्यों को पर्यटकों के समुच्च प्रस्तुत करता है। इन यात्रा-ग्रंथों में केवल प्रमुख दर्शनीय स्थलों का वर्णन नहीं है बल्कि वहां के लोगों, वहां के खान-पान, वहां की जीवनशैली, वहां के सांस्कृतिक मूल्य, वहां के ऐतिहासिक तथ्य का भी जीवंत प्रस्तुतीकरण है।

यह भारत पल-पल परिवर्तित, नितनूतन, बहुआयामी और इन्द्रजाल की हद तक चमत्कारी यथार्थ से परिपूर्ण है। इस भारत की समग्र विविधताओं, नित नवीनताओं और अंतर्विरोधों से साक्षात्कार करना सचमुच अलौकिक एवं विलक्षण अनुभव है। जिससे इस बहुरूपी भारत को उसके बहुआयामी और निहंग वास्तविक रूप में देखा जा सके और ऊबड़-खाबड़ अनाढ़ता की परतों में छिपी सुंदरता को उद्घाटित किया जा सके। हम भारत को एक गुलदस्ते की भांति अनुभव करते हैं, एक ऐसा गुलदस्ता जिसमें भिन्न-भिन्न प्रकार के पुष्प सुसज्जित हैं। किसी फूल में कश्मीर की लालिया है तो किसी में कामरूप का जादू। कोई फूल पंजाब की कली संजोए हैं, तो किसी में तमिलनाडु की किसी श्यामा का तरसुम। किसी में राजस्थान के बलिदान की गाथाएँ हैं तो किसी में उत्तरप्रदेश की धार्मिकता। महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल और अन्य प्रदेशों में तो विविधता में सांस्कृतिक एकता के दर्शन होते हैं। इसी भांति जैसलमेर में पर्यटन से हटकर वहां संतहीत प्राचीन पांडुलिपियों की विशद जानकारी, स्थापत्य कला एवं जैन दर्शनीय स्थलों का अनुभव भी अनूठ है।

भारत में प्राचीन समय से पर्यटन की व्यापक संभावनाएं एवं स्थितियां रही हैं, लेकिन एक समय ऐसा आया

समय के साथ विश्व की सभी महाशक्तियों की 'शक्ति' की षोल खुल गयी है

अशोक मण्डु

रूस ने अपने नजदीकी और बहुत छोटे देश यूक्रेन पर लगभग छह माह पूर्व हमला किया। उसके टैंक और तोप पूरी शक्ति से यूक्रेन पर कब्जा करने के लिए बढ़े। इसी घमंड में की गयी गलतियाँ इनकी शक्ति की षोल खोलने में लगी हैं। पिछले लगभग एक डेढ़ साल में स्पष्ट हो गया कि ये कितना भी दंभ भरे इनमें छोटे से छोटे देश भी उड़ने तक की ताकत नहीं है। एक साल पहले अमेरिका अफगानिस्तान से जिस तरह दुम दबाकर भागा, वह पूरी दुनिया के धात उतार देते हैं। अब अपनी सेना के लिए एकत्र शस्त्र भी साथ अमेरिकी

अमेरिक-रूस और चीन इस समय दुनिया की तीन महाशक्तियाँ मानी जाती हैं। इन्हें अपनी ताकत पर घमंड है। थोड़ा बहुत नहीं, बहुत ज्यादा घमंड है। इसी घमंड में की गयी गलतियाँ इनकी शक्ति की षोल खोलने में लगी हैं। पिछले लगभग एक डेढ़ साल में स्पष्ट हो गया कि ये कितना भी दंभ भरे इनमें छोटे से छोटे देश भी उड़ने तक की ताकत नहीं है। एक साल पहले अमेरिका अफगानिस्तान से जिस तरह दुम दबाकर भागा, वह पूरी दुनिया के धात उतार देते हैं। अब अपनी सेना के लिए एकत्र शस्त्र भी साथ अमेरिकी

सेना नहीं ले जा सकी। उन्हें अफगानिस्तान में काबिज होने वाले तालिबान के लिए छोड़ दिया गया। शस्त्र ही नहीं लड़ाकू विमान और दुनिया के सबसे उन्नत हैलिकाप्टर भी अपनी सेना के साथ अमेरिका नहीं ले जा सका। अफगानिस्तान से भागने से पूरे विश्व में उसकी छवि सबसे ज्यादा खराब हुई। उसकी विश्वसनीयता को बड़ी आंच पहुंची।

एक और विश्व शक्ति रूस ने अपने नजदीकी और बहुत छोटे देश यूक्रेन पर लगभग छह माह पूर्व हमला किया। उसके टैंक और तोप पूरी शक्ति से यूक्रेन पर कब्जा करने के लिए बढ़े। इसी घमंड में की गयी गलतियाँ इनकी शक्ति की षोल खोलने में लगी हैं। पिछले लगभग एक डेढ़ साल में स्पष्ट हो गया कि ये कितना भी दंभ भरे इनमें छोटे से छोटे देश भी उड़ने तक की ताकत नहीं है। एक साल पहले अमेरिका अफगानिस्तान से जिस तरह दुम दबाकर भागा, वह पूरी दुनिया के धात उतार देते हैं। अब अपनी सेना के लिए एकत्र शस्त्र भी साथ अमेरिकी

दुनिया की एक बड़ी शक्ति को एक छोटे देश से लड़ते छह माह से ज्यादा हो गए। वह महाशक्ति रूस मुट्ठी भर आबादी के देश यूक्रेन को परास्त नहीं कर सका।

चीन दुनिया की तीन बड़ी ताकतों में से एक है। उसके पास विशाल सेना के साथ ही हैं महाविनाशक हथियार। काफी समय से वह ताइवान पर कब्जा करने की कोशिश में है। चीन के कई बार विरोध जताने के बावजूद अमेरिकी कांग्रेस की स्पीकर नैंसी पेलेसी के ताइवान पहुंचने के बाद चीन के रवैये से लगा कि वह ताइवान को सबक सिखाकर ही रहेगा। ताइवान के समुद्री क्षेत्र में उसका सैन्याभ्यास भी कुछ ऐसा ही बता रहा था। किंतु वह उछल-कूद कर रह गया। अखाड़े से बाहर ही उछल-कूद की। बर्दाश्त के समुद्री क्षेत्र में उसका सैन्याभ्यास भी कुछ ऐसा ही बता रहा था। किंतु वह उछल-कूद कर रह गया। अखाड़े से बाहर ही उछल-कूद की। बर्दाश्त की सीमा निकलती देख इतना जरूर हुआ कि अपनी सीमा में आए चीनी झेन को ताइवान ने मार गिराया। अपना झेन मार गिराए जाने के बाद भी भी महाशक्ति बना चीन चुप्पी साधे रहा।

अब अमेरिका ने ताइवान के मामले में अपनी नीति साफ कर दी है। अमेरिका के बाइडेन प्रशासन ने इस बार संकेत में ही अपनी नीति को साफ किया है। अमेरिका का अभी पूरी तरह से पक्ष स्पष्ट नहीं था। यूक्रेन के बारे में भी अमेरिका और नाटो देश ऐसा ही कह रहे थे किंतु रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद वे चुप्पी साध गए। कहने लगे कि उनके सीधे युद्ध में उतरने से युद्ध सीमित न रहकर विश्व युद्ध में बदल जाएगा। हालांकि वे यूक्रेन को शस्त्र और सैन्य उपकरण लगाए दे रहे हैं। अब तक ताइवान के बारे में भी चीन का यही मानना था। अफगानिस्तान से वापसी के समय से वह ताइवान से कह रहा था कि अमेरिका अपने वायदे पर खरा नहीं उतरता। अफगानिस्तान और उसकी जनता को अघर में छोड़कर वहां से भाग आया।

हर देश के लिए पर्यटन एक सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि की कुंजी है



राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन के माध्यम से एक स्वस्थ पर्यटन पारिस्थितिक तंत्र की स्थापना होगी - हिकारियों को आर्थिक समृद्धि तेजी से होगी - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तर पर कोविड महामारी के चलते जबरदस्त प्रभावित क्षेत्रों में से एक पर्यटन उद्योग की भी शुमार थी या यूँ कहें कि सबसे अधिक मार इस उद्योग द्वारा झेली गई और अभी तक उबर नहीं पाए हैं, क्योंकि कार्फ्यू और बंद के चलते करीब करीब दो वर्षों हो आ रहे हैं पर्यटन उद्योग के जीरो के चलते अब सामर्थ्यता की और धीरे-धीरे कदम बढ़ रहे हैं। हर देश के लिए पर्यटन एक सामाजिकसांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि की कुंजी है जिसके आधार पर देश विदेश में एक-दूसरे को जानने सामाजिक सद्भाव रोगारग और अर्थव्यवस्था को सकारात्मक गति मिलती है। इसलिए भारत में 19 अप्रैल 2022 को भारतीय राजपत्र में राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन का

अधिभूचना जारी की और भारतीय संस्कृति, पर्यटन विरासत, अतिथिदेवी भव के साथ अर्थव्यवस्था चक्र में महत्वपूर्ण योगदान, पर्यटन संबंधी रूपरेखा जारी की। चूंकि 27 सितंबर 2022 को हम विश्व पर्यटन दिवस मना रहे हैं इसलिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सहयोग से आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से पर्यटन पर चर्चा करेंगे

साथियों बात अगर हम पर्यटन की करें तो, पर्यटन मनुष्य की सबसे आदिम प्रवृत्ति है। अपने घर, परिवार, समाज से बाहर जाकर दूसरे मानवीय वातावरणों के बारे में जानने की जिज्ञासा रखना ही पर्यटन का मूल है और हमारे इतिहास का निर्माण जिन अकल्पनीय खोजों से हुआ है उनमें से ज्यादातर, जैसे पुरे देशों-द्वीपों-महाद्वीपों का खोजा जाना और उनके मध्य संस्कृति और व्यापार के परस्पर लेन-देन, पर्यटन के बिना संभव ही नहीं थी। स्पेन के मैड्रिड में स्थित संयुक्त राष्ट्र संघ की एक महत्वपूर्ण संस्था विश्व धरोहर पर्यटन संगठन (यूनइस्को) द्वारा दुनियाभर में होने वाले पर्यटन के मामलों की निगरानी करती है और उसके लिए मानक और दिशानिर्देश तय करती है। उसके चार्टर में पर्यटन की यह परिभाषा लिखी हुई है, पर्यटन एक सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत लोगों द्वारा व्यक्तिगत अथवा व्यावसायिक कारणों से अपने रोज़मर्रा

परिवेश के बाहर दूसरे देशों अथवा स्थानों में आवागमन किया जाता है, इन लोगों को पर्यटक कहा जाता है और पर्यटन का सरोकार उनकी गतिविधियों से है, जिनमें से कुछ के भीतर पर्यटन संबंधी व्यय शामिल होता है। ट्रेवल और टूरिज्म में करियर के कुछ शीर्ष अवसर ट्रेवल एजेंट, होटल मैनेजर, एस्पिए मैनेजर, टूर ऑर्गेटर, इवेंट ऑर्गेनाइजर, टूर गाइड, एजीक्यूटिव शेफ, पीआर मैनेजर आदि हैं।

साथियों बात अगर हम पर्यटन की बदली परिभाषा की करें तो, इस परिभाषा को गूर से पहले तो पर्यटन के पहले दो सरोकार मनुष्य सभ्यता के दो सबसे बड़े अवयवों, समाज और संस्कृति हैं, अर्थव्यवस्था का नंबर इन दोनों के बाद आता है, पिछले पचास वर्षों में अंतरराष्ट्रीय पैमाने पर जिस तेजी से पर्यटन की प्रवृत्ति बढ़ी है, उसके परिप्रेक्ष्य में उसकी आधुनिक अवधारणा में अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे उसका सबसे पहला सरोकार बनती चली गयी है। यह एक बड़ी विडम्बना है जिसके चलते सामाजिकता और संस्कृति को पार्श्व धकेल कर संसार की सबसे सुन्दर जगहों और समाजों को आर्थिक लाभ हासिल करने की वस्तु भर बना दिया गया है।

साथियों बात अगर हम पर्यटन के प्रकारों की करें तो आदि आदि काल से मनीषियों की विचारधारा वैचारिकसोच अलग-अलग रही है

इसलिए अनेक क्षेत्रों सहितपर्यटन में भी हर वर्ग कुछ अलग देखा घूमना चाहता है इसलिए हम अनेक प्रकारों में विभाजित कर सकते हैं (1) मनोरंजनात्मक पर्यटन, प्राय मनोरंजन गतिविधियों के उद्देश्यसे किया जाता है। अधिकांश पर्यटन माहौल में परिवर्तन एवं आराम के लिए किया जाता है, यही कारण है कि फैकेज टूर अधिक लोकप्रिय हो गए हैं। (2) पर्यावरणीय पर्यटन, धनी और समृद्धशाली पर्यटक ऐसे सुदूरवर्ती स्थानों की यात्रा को अधिक प्राथमिकता देते हैं, जहां उन्हें सौंस लेने के लिए प्रदूषण मुक्त वायु प्राप्त हो (3) ऐतिहासिक पर्यटन, पर्यटक यह जानने में रुचि रखते हैं कि हमारे पूर्वज किस प्रकार किसी विशेष क्षेत्र में रहते थे एवं उसे प्रशासित करते थे। अतः वे विरासत स्थलों, मंदिरों, चर्चों, संग्रहालयों, किलों आदि की यात्रा करते हैं (4) विरासत विशेष पर्यटन यह उन लोगों के पर्यटन को संदर्भित करता है जो अपने मूल से जुड़ने और पारिवारिक दायित्वों को पूरा करने के लिए दूरस्थ स्थानों की यात्रा करते हैं। विवाह और मृत्यु के समय लोग अपने पैतृक स्थानों पर एक साथ एकत्रित होते हैं। ऐसे व्यक्ति जो अपने शेष जीवन के लिए विदेश में बसे होते हैं जब अपने जन्म स्थान की यात्रा करते हैं तो वे ऐसे पर्यटन को बढ़ावा देते हैं। (5) सांस्कृतिक पर्यटन - कुछ



राजस्थान में सीएम पद को लेकर गहलोत-पायलट के बीच फिर खीचताना शुरू

पता नहीं, मेरा प्लेन सीएम की कुर्सी पर कब लैंड होगा!

दीवारों के कान होते हैं

बच्चे घरों को जान होते हैं, दीवारों के अब कान होते हैं।

बेईमानी ईमान है उनका अब, बेईमानी के अलग ईमान होते हैं।

सियासत में होती है चालबाजी, हुस्मरानों के कच्चे कान होते हैं।

पर्दा किया करो जितना हो सके, रिश्तेदारों में हैवान होते हैं।

इबादत भी किया करो शिद्दत से, खुदा कश्यो से अनजान होते हैं।

चला करो सीधे रास्तो से हमेशा, कई कई रास्ते सुनसान होते हैं।

कातिल भला बेखौफ क्यों है अब, बचाने उन्हें सारे हुस्मरान होते हैं।

किस किस पर यकीन करोगे, सगे रिश्तो में भी शैतान होते हैं।

पड़ोसियों से भी रखो अच्छे संबंध मुसीबत में वो सच्चे ईंसान होते हैं।

मोहब्बत जिंदगी का इक फलसफा संजीव, कुछ नेक आशिक बड़े कद्रदान होते हैं।

शार्ट न्यूज

काशी घूमने आई विदेशी लड़की को बियर में शराब पिलाकर होटल में बदसलूकी, सुबह जागी तो गायब थे कपड़े

वाराणसी। पेरिस से काशी घूमने आई एक विदेशी लड़की को दो दिन घुमाने के बाद गाइड जैसे एक शख्स ने तीसरी रात होटल में उसके साथ बदसलूकी कर दी। पुलिस ने इस घटना में शक के आधार पर एक शख्स को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। आरोप है कि इस शख्स ने बिगड़ से लड़की को बियर में शराब पिलाई। इससे लड़की की तबीयत खराब हुई। लड़की सुबह जागी तो वह होटल के कमरे में थी और उसके कपड़े गायब थे। लड़की ने भेलूपुर थाने में अज्ञात शख्स के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। मेंडिकल जांच बिना लड़की अपने देश वापस लौट गई है। जाते-जाते लड़की ने पुलिस से कहा कि वह शिकायत इसलिए दर्ज करा रही है ताकि इस तरह की घटना किसी और के साथ न हो। शिकायत के मुताबिक लड़की काशी के केदार घाट स्थित एक गैस्ट हाउस में रुकी थी। उसे बाहर एक आरंभ मिला, जो एक गाइड की तरह दिख रहा था। उसने दो दिन उसे शहर में घुमाया। लड़की तीसरी रात उस शख्स के साथ एक रेस्टोरेंट में खाने गई। लड़की है कि वहां उस शख्स ने लड़की को बियर में शराब मिलाकर पिला दी थी। इससे उसकी तबीयत खराब हो गई। गैस्ट हाउस में उल्टी होने के साथ कमजोरी महसूस होने लगी और वह बेहोश हो गई। नांद खुली तो लड़की बिस्तर पर थी। उसके कपड़े गायब थे।

घर में घुसकर बीएसएफ जवान की पत्नी को उतारा मौत के घाट, दिनदहाड़े वारदात से सनसनी

गाजीपुर। गाजीपुर में सदर कोतवाली क्षेत्र के कुर्था गांव में सोमवार को घर में घुसकर बीएसएफ जवान की पत्नी को हत्या कर दी गई। धारदार हथियार से वारक मारिहा को मौत के घाट उतारा गया। दिनदहाड़े हुए वारदात से सनसनी फैल गई। पुलिस अधीक्षक की घटनास्थल का पहुंचे और मौका मुआयना किया। कोतवाली पुलिस मामले को पड़ताल में जुटी है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की गई है। फिलहाल हत्या का कारण नहीं पता चल सका है। लूटपाट समेत कई एंगल पर पुलिस जांच में जुटी है। बीएसएफ जवान पवन प्रजापति की पत्नी किरन प्रजापति सोमवार को सुबह अपने बेटों शुभम (14) और शनि (6 वर्ष) को तैयार कर स्कूल भेजा था। इसके बाद किसी समय बदमाशों ने उसके घर पर धावा बोला। धारदार हथियार से किरन के चेहरे और सिर पर वार कर निर्मम हत्या कर दी। घटना की जानकारी होते ही मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक रोहन पी बोन्ने भी मौके पर पहुंच गए। घटना को लेकर ग्रामीण तरह-तरह की आशंका व्यक्त कर रहे हैं। पुलिस को मानें तो फिलहाल लूटपाट जैसी कोई वारदात नहीं दिख रही है। कुछ दिन पहले पड़ोसियों से विवाद भी हुआ था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हत्या के पीछे क्या कारण हो सकता है, इसकी छानबीन की जा रही है। जल्द ही मामले का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

इनकम टैक्स विभाग में नौकरी दिलवाने के नाम पर युवक से तीन लाख रुपये ठगने, पैसे वापस मांगने पर की मारपीट

बदायूं। बदायूं में एक शख्स ने आयकर विभाग में नौकरी दिलवाने के नाम पर युवक तीन लाख रुपये की ठगी की। नौकरी नहीं मिलने पर जब युवक ने वापस पैसे मांगे तो 1.50 लाख रुपये केवल वापस किया। वहीं बाकी रुपये वापस मांगने पर मारपीट की। पीड़ित ने इसकी थानें में शिकायत दर्ज कराते हुए मुकदमा दर्ज कराया। ये मामला बदायूं जिले के सदर कोतवाली थाना क्षेत्र का है। बरेली जिले के थाना किला क्षेत्र के बमनपुरी मल्लुकरकर के रहने वाले जफर केम ने बताया कि अजमुल हसन ने दोस्त नारायण के बेटे की नौकरी आयकर विभाग में लगवाने के नाम पर तीन लाख रुपये लिए थे। कई महीने बीत गए लेकिन नौकरी नहीं लगा सकी। जिसके बाद युवक ने अजमुल हसन से रुपये वापस मांगने लगा। बहुत बार पैसों की मांग करने पर बड़ी मुश्किल से अजमुल हसन ने 1 लाख 50 हजार रुपये वापस कर दिए। वही बाकी के रुपये बाद में देने को कहा। जब कई दिनों तक रुपये नहीं मिलने पर पीड़ित आरोपी के घर गया। जहां अजमुल हसन ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर आधआर पर अजमुल हसन पर धोखाधड़ी और मारपीट समेत कई अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी।

लखीमपुर खीरी में भरभराकर गिरी कच्ची दीवार, मलबे में दबने से दो बच्चों की मौत

वाजपेयी। लखीमपुर खीरी में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण एक घर की कच्ची दीवार गिर गई। जिसके कारण दो बच्चों की दबकर मौत हो गई। वहीं तीन अन्य बच्चों गंभीर रूप से जखमी हैं। जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश ने जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। लखीमपुर खीरी के सदर कोतवाली क्षेत्र के वाजपेयी गांव में भारी बारिश के कारण एक मकान की दीवार भरभराकर गिर गई। वहीं पास में खेल रहे 10 साल और 12 साल के बच्चे मलबे में दब गए। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में तीन अन्य बच्चे घायल हो गए जिनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। सूचना मिलने पर कोतवाली सदर की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा। वहीं मृतकों की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। पुलिस ने बताया कि कच्ची दीवार गांव के बीचों-बीच है। दो दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण दीवार कमजोर हो गई थी। जिस कारण ये टूटकर गिर गई।

नवरात्र, दशहरा, दिवाली पर योगी का अफसरों को आदेश, सख्ती, सतर्कता और भरपूर बिजली

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार से शुरू हो रहे शारदीय नवरात्र और इसके बाद आने वाले त्योहारों के दौरान जन अस्था का पूरा सम्मान करते हुए अराजक तत्वों से सख्ती से निपटन का निर्देश दिया है। वह रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंडल, जोन, रेंज, पुलिस कमिश्नरेंट और जिलों के वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के संबंध में दिशा-निर्देश रहे थे। उन्होंने कहा कि शारदीय नवरात्रि, विजयादशमी, दशहरा, बाल्मीकि जयंती, बारावफात, दीपावली और छठ जैसे महत्वपूर्ण पर्व-त्योहार आगामी कुछ दिनों के भीतर हैं। यह समय संवेदनशील है। इस दौरान 24 घंटे अलर्ट मोड में रहना होगा। अगले एक माह त्योहार की उमंग से भी भरे होंगे, इस कारण बाजारों में भी भीड़ होगी। ऐसे में पुलिस को फुट पेट्रोलिंग बढ़ानी होगी। साथ ही महिलाओं, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी।

कुल्लू मनाली के हादसे में जौनपुर के दो युवकों की मौत

जौनपुर। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में रविवार को रात हुए हादसे में जौनपुर जिले के दो युवकों की मौत हो गई है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जौनपुर जिले में लाइन बाजार थाना क्षेत्र के नई कॉलोनी हुसैनबाद के निवासी ब्रजेश गुप्ता का पुत्र सौरभ गुप्ता (30) दिल्ली में एक निजी कंपनी में कार्य करता था। वह दिल्ली से ही 5 दिन पूर्व अपने साथियों के साथ कुल्लू मनाली घूमने के लिए गया था। कल रात करीब साढ़े आठ बजे टूरिस्ट से भरी एक टेंपो ट्रेवलर खाई में जा गिरी। उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 लोग गम्भीर रूप से जखमी हो गए। इस हादसे में सौरभ गुप्ता की मौत हो गई। सौरभ के पिता दास के व्यथपारी हैं। माता शर्मिला रानी सिरकनौली ब्लाक के जगदीशपुर प्राथमिक स्कूल में टीचर हैं। दूसरा युवक नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के रसूलाबाद मोहल्ले के निवासी जितेंद्र गुप्ता का पुत्र रिषभ (28) है। वह भी दोस्तों के साथ घूमने के लिए गया हुआ था।

काशी में नवरात्रि पर विशेष तैयारी

पशुपतिनाथ से सोमनाथ तक की दिखेगी विशाल अनुकृति

वाराणसी। काशी में सार्वजनिक दुर्गा पूजा के दौरान पूजन समितियां हर वर्ष कुछ विशिष्ट परिकल्पना करती हैं ताकि उनका पूजा पंडाल अलग दिखे। इस बार कई पूजा पंडाल देश-विदेश के विख्यात मंदिरों की शैली में तैयार हो रहे हैं। कहीं गुजरात के सोमनाथ व कथभंजक हनुमान, काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर तो कहीं काशी विश्वनाथ धाम की अनुकृति साकार की जा रही है। मछोदरी पार्क में बाबा मछोदरनाथ पूजा समिति का पंडाल गुजरात, सारंगपुर के कथभंजन हनुमान मंदिर की प्रतिकृति होगा। समिति के अध्यक्ष घनश्याम

यादव ने बताया कि 70 फीट के इस पंडाल को बंगाल के 25 कारीगर गौतम के दिशा निर्देशन में बना रहे हैं। निर्माण में करीब 15 लाख रुपये खर्च होंगे। पंडाल के अंदर द्रविड़ सभ्यता के स्तूपक लगेगा। नवरात्र की पंचमी तिथि को देवी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होगी। **प्रिंस वलब मनाएगा स्वर्ण जयंती** लहरतारा की हरि नगर कॉलोनी में प्रिंस क्लब अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में दुर्गाकुंड के दुर्गा मंदिर की तरह पंडाल तैयार करवा रहा है। साढ़े चार मिनट का इलेक्ट्रॉनिक शो भी होगा। चेतगंज स्थित हथुआ मार्केट के पूजा

अक्तूबर से पंडाल जनसामान्य के लिए खुलेगा। प्रतिमा विस्जन छह अक्तूबर को लक्ष्मी कुंड में होगा। अर्दली बाजार में जय मातादी स्पोर्टिंग क्लब का पंडाल विश्वनाथ धाम के गेट नंबर चार जैसा होगा। मंदिर-मस्जिद के आगे हिंदू-मुस्लिम तिरंगा लेकर खड़े जबकि कश्मीर के पहाड़ों पर शिव ध्यान मुद्रा में दिखेंगे। वैष्णो देवी के भी दर्शन होंगे। कलब के अध्यक्ष मिहिर भल्ला और उपाध्यक्ष राहुल पांडेय ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक शो आतंकवाद की मुखालफत का संदेश देगा। अमृत महोत्सव व महासचिव मुकेश जायसवाल ज्ञानू ने बताया कि दो

आजम खान और बेटे अब्दुल्ला ने वापस की सुरक्षा

रामपुर। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और रामपुर के विधायक आजम खान और उनके विधायक बेटे अब्दुल्ला आजम ने अपनी सुरक्षा वापस कर दी है। सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ सपा नेता आजम खान ने अपनी वाई प्रेमी की सुरक्षा शासन को वापस लौटा दी है। यहाँ नहीं उनके विधायक बेटे अब्दुल्ला आजम ने भी अपने सरकारी सुरक्षाकर्मी को वापस लौटा दिया है। दोनों ने यह कहते हुए अपनी सुरक्षा वापस कौर दी कि उन्हें इसकी कोई जरूरत नहीं है। सूत्रों ने बताया कि आजम ने गत 23 सितंबर को इलाज के लिये दिल्ली विहल्ट सर गंगा राम हॉस्पिटल अपने

सुरक्षाकर्मियों को वापस भेज दिया था। आजम ने कहा है कि उन्हें सुरक्षा की जरूरत नहीं है। ठीक एक दिन पहले 22 सितंबर को रामपुर के स्वार टांडा क्षेत्र से विधायक अब्दुल्ला आजम ने भी अपनी सुरक्षा में लगे गनर को हटा दिया। रामपुर के अपर पुलिस अधीक्षक डॉ संसार सिंह ने बताया कि आजम खान की सुरक्षा में लगे 3 पुलिसकर्मी वापस रामपुर लौट आए हैं। उन्होंने पुलिस लाइन में आमद दर्ज कराई है। डॉ सिंह ने बताया कि विधायक अब्दुल्ला आजम ने भी गनर को बिना कुछ बताये वापस भेज दिया है। उन्होंने बताया कि अब्दुल्ला और उनके ड्राइवर का फोन भी बंद है। ऐसे

औरैया में शिक्षक की पिटाई से 19 दिन बाद छात्र की मौत, शिक्षक फरार; स्कूल बंद

औरैया। यूपी के औरैया के अख्त्दा स्थित आदर्श इंटर कॉलेज में शिक्षक की पिटाई से घायल छात्र की 19 दिन बाद मौत हो गई। छात्र की मौत से परिजनों में कोराम मच गया। सैफई मेंडिकल कॉलेज में छात्र का इलाज चल रहा था। बताया जा रहा है कि छात्र की मौत के बाद आरोपी शिक्षक फरार हो गया है। स्कूल भी बंद कर दिया गया है। अख्त्दा क्षेत्र के बसोली गांव निवासी राजू सिंह का 15 वर्षीय बेटा निखिल आदर्श इंटर कॉलेज में कक्षा



पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उन्होंने लात चुसों से निखिल को पिटाई की जिससे वह क्लास में बेहोश हो गया। इस घटना कॉलेज में अफरा-तफरी मच गई और आनन-फानन में उसके परिजनों को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंचे परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए। वहां से छात्र को सैफई मेंडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जहां पर निखिल का इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान सोमवार भोर उसकी मौत हो गई।

फर्जी वेबसाइट बनाकर की लाखों रुपये की धोखाधड़ी

घर बैठे पार्ट टाइम जॉब का देते थे लालच

लखनऊ। फर्जी वेबसाइट बनाकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले तीन आरोपियों को साइबर सेल की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घर बैठे पार्ट टाइम जॉब का लालच देते थे। वेबसाइट पर सामान बेचने के नाम पर कमीशन का झंझा देते थे। इस्पेक्टर साइबर फ़ाइसल शशिकांत चौहान ने 8 जुलाई को लखनऊ के हसनगंज कोतवाली में रितिका वेलिंग्टन ने सागो ट्रेडिंग कंपनी पर जालसाजी का मुकदमा दर्ज कराया था। कंपनी पर आरोप था कि फर्जी वेबसाइट बनाकर उस पर सामान बेचने पर कमीशन दिलाने का दावा करते हुए करीब 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। वहीं तीन सितंबर को अवनीश खोसला ने 81 हजार रुपये की



धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई। अवनीश ने बताया कि एक वेबसाइट पर सामान बेचने पर कमीशन का लालच दिया गया था। लखनऊ पुलिस को साइबर सेल ने इस मामले की पड़ताल की। इस दौरान पता चला कि मुंबई स्थित ठाणे में पैसे ट्रॉसफर होते हैं। इसके बाद लखनऊ पुलिस की एक टीम ठाणे पहुंची और अजमेर के रहने वाले अयुष पराशर, शुभंकर गंगवार और भीलवाड़ा

टाइम जॉब का ऑफर देकर लोगों को फंसाते थे। इसके लिए वे टेलिग्राम एप के जरिए प्रचार करते थे। कई अलग-अलग नाम से चैनल बनाए गए थे। चैनल से जुड़ने वाले लोगों को सचमी समझाई जाती थी। फिर फोन करके उन्हें ऑनलाइन वेबसाइट पर सामान बेचने के बदले कमीशन देने का लालच दिया जाता था। शुरूआत में छोटी पूंजी लगवाई जाती थी और उसे कमीशन दिया जाता था। कम टाइम में ज्यादा मुनाफा देखकर लोग झंझंसे आ जाते थे और फिर बड़ी रकम लगाते थे। हसनगंज निवासी रितिका ने बताया कि उसे भी इसी तरह झंझंसा देकर दस लाख रुपये ठगे गए। आरोपी शुभंकर ने बताया कि लोगों में दूसरों का बड़ी संख्या में जमावड़ा हो गया, जिन्हें हटाने

सोलर लाइट से रौशन होंगे सहारनपुर के उपेक्षित गांव

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर जनपद के उन 20 गांवों को सोलर लाइट से रौशन किया जायेगा जिनमें अभी तक स्ट्रीट लाइट नहीं लगी है। जिला प्रशासन ने इन गांवों को चिन्हित कर इनके संपर्क मार्गों पर 10-10 सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाने का फैसला किया है। जिला नवीन नवीनीकरण विभाग के प्रभारी

अधिकारी आरबी वर्मा ने सोमवार को बताया कि जनप्रतिनिधियों से इन गांवों का नाम मांगा गया है। इस संबंध में जिलाधिकारी अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। समिति में सीडीओ और डीपीओ एवं जिला नैड अडिकारि सदस्य होंगे। यह समिति जनप्रतिनिधियों द्वारा भेजे गए प्रस्तावों पर कार्रवाई करेगी।

नीतीश फूलपुर से चुनाव लड़े तो होगी जमानत जब्त : केशव मौर्य

भदोही। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगामी लोकसभा चुनाव फूलपुर संसदीय सीट से लड़ने की अटकलों के बारे में कहा कि अगर वह इस सीट से चुनाव लड़ें तो उनकी जमानत जब्त हो जायेगी। मौर्य ने यहां संबोधनों में से कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन से अलग होने के बाद नीतीश की पार्टी जनता दल यू की बिहार में दो सीट जीतने की हैसियत रह जाती है। उन्होंने कहा कि 2014 के लोकसभा



चुनाव में जदयू ने भाजपा से अलग होकर चुनाव लड़ा था और तब नीतीश को दो सीट मिली थी। गौरतलब है कि हाल ही में नीतीश ने भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ कर लालू यादव की राजद के साथ मिलकर बिहार में

सरकार बना ली है। इसके बाद उत्तर प्रदेश की कुर्मी बहुल फूलपुर सीट से नीतीश के चुनाव लड़ने की अटकलें तेज हो गयी हैं। फूलपुर सीट से मौर्य भी सांसद रह चुके हैं। इस सीट से नीतीश के चुनाव लड़ने पर भाजपा के कमजोर पड़ने के सवाल पर मौर्य ने कहा, नीतीश कुमार जी की जमानत जब्त हो जायेगी। याद कीजिये 2014 का लोकसभा चुनाव, बिना मोदी जी के चेहरे के लड़ें थे, नीतीश जी के चेहरे के दम पर उनके केवल दो सांसद जीते थे। बिहार की जनता ने उनकी हैसियत

सपा के कद्दावर नेता दीप नारायण सिंह यादव को किया गिरफ्तार

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी पुलिस ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के करीबी माने जाने वाले पार्टी के कद्दावर नेता एवं पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। इस घटनाक्रम से राज्य में सियासी पारा उबलने लगा है। पूर्व विधायक को गिरफ्तार कर यहां नवाबाद थाने लाया गया। उनके समर्थकों को जैसे ही यह सूचना मिली नवाबाद थाने में अल्पसंख्यकों का बड़ी संख्या में जमावड़ा हो गया, जिन्हें हटाने



में पुलिस को काफी मशकत करनी पड़ी। सपा नेता ने इसे उनके खिलाफ शासन के इशारे पर प्रशासन द्वारा की जाने कार्रवाई बताया और कहा कि उन्हें जानबूझकर फंसाया जा रहा है। दूसरी ओर पुलिस महानिरीक्षक (डीआईजी)

राजभर ने रवाना की सुभासपा की 'सावधान यात्रा'

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में सड़कों के विकास की कार्ययोजना को नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। अब जल्द ही पूरे मुख्यालय को रिंग रोड की सीमांत मिल जाएगी और जनपद में रेलवे क्रासिंग की वजह से लगने वाले जाम से निजात मिल सकेगी। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में इस कार्ययोजना को सोमवार को अंतिम रूप दिया गया। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के निजी सचिव दीपक पाठक, मुख्य अतिथिता राष्ट्रीय राजमार्ग आलोक कुमार पांडेय, अपर जिलाधिकारी (भू-राजस्व) रजनीश

एजेंसी

लखनऊ। बिहार विधान सभा के आगामी चुनाव और इसके बाद 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विभिन्न राजनीतिक दलों की चुनावी तैयारियां तेज होने के क्रम में उत्तर प्रदेश में मुख्य विधायी दल समाजवादी पार्टी (सपा) की अगुवाई वाले गठबंधन से हाल ही में अलग हुये सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) की 'सावधान यात्रा' सोमवार को लखनऊ से पटना के लिये रवाना हुयी। सुभासपा के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय से आज इस यात्रा को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। लगभग एक महीने तक चलने वाली सावधान यात्रा पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न जिलों से होती हुई 27 अक्टूबर को सुभासपा के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना में समाप्त होगी। सावधान यात्रा के समापन पर 27 अक्टूबर को पटना के गांधी मैदान में सुभासपा ने 'सावधान महारौली' का आयोजन किया है। पार्टी का कहना है

कि इस यात्रा का प्रयोजन उत्तर प्रदेश और बिहार की साझा समस्याओं एवं लोगों को जनता के बीच उठा कर उसे आगामी चुनावों के बारे में सशक्त भूमिका को लेकर सावधान करना है। यात्रा को रवाना करने से पहले राजभर ने संबाददाता सम्मेलन में कहा, आज से सुभासपा की सावधान यात्रा शुरू हो गयी है। हमारी इस यात्रा का मकसद जनता को सावधान करना है। यात्रा के जरिए हम लोग जनता को आगाह करेंगे। उन्होंने कहा कि लखनऊ से शुरू होकर पटना में खत्म होने वाली इस यात्रा के दौरान लोगों को बताया जायेगा कि गरीब का इलाज फ़ी में होना चाहिये। युवा बेरोजगार होता जा रहा है, उसे रोजगार मिलना चाहिये। प्रदेश में अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिये। जनता के उथ्यान के लिये जो दल काम कर जनता को उसे चुनना चाहिये। राजभर ने कहा कि जनता जब तक अपने अधिकारों के लिये जागेगी नहीं तब तक सामाजिक परिवर्तन नहीं होगा। इस यात्रा के जरिये जनता को उसके हक की बात बताकर सावधान किया जायेगा।

शार्ट न्यूज

एसबीआई कार्ड ने की फेस्टिव ऑफ़रों की घोषणा

नयी दिल्ली। एसबीआई कार्ड ने त्योहारों के मद्देनजर अपने फेस्टिव ऑफ़रों की घोषणा की है जो 31 अक्टूबर जारी रहेंगे। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि देश भर के ग्राहकों के लिए कई आकर्षक ऑफ़र पेश किए गये हैं। देश के टियर 1, टियर 2 और टियर 3 शहरों में विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन एवं ऑफ़लाइन मर्चेंट में 1600 से अधिक ऑफ़र के साथ एसबीआई कार्ड ने अपने ग्राहकों के खरीदारी के अनुभव को अधिक फायदेमंद बनाते हुए उनके लिए त्योहारों की खुशियां बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय विभिन्न प्रकार के सामानों पर आकर्षक ऑफ़र की पेशकश की जा रही है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, फैशन एवं लाइफ़स्टाइल, आभूषण, ट्रेवल एवं ऑनलाइन मार्केटप्लेस इत्यादि शामिल हैं। एसबीआई कार्ड ग्राहकों के लिए फेस्टिव ऑफ़र अंतर्गत 2600 शहरों में 70 से अधिक राष्ट्रीय ऑफ़र के साथ-साथ 1550 क्षेत्रीय और हाइपरलोकल ऑफ़र शामिल हैं। फेस्टिव ऑफ़र के तहत ग्राहक विभिन्न पार्टनर ब्रांड्स में 22.5 प्रतिशत तक कैशबैक का लाभ पा सकते हैं।

वर्तमान विदेश व्यापार नीति मार्च 2023 तक के लिए और बढ़ाई गयी

नयी दिल्ली। सरकार ने इस समय लागू विदेश व्यापार नीति (2015-20)को और छह महीने के लिए बढ़ा दी है। यह नीति अब आगामी पहली अक्टूबर से छह माह तक जारी रहेगी। इस नीति को विस्तारित अर्वाधि 30 सितंबर को समाप्त हो रही थी। अब यह मार्च,2023 तक जारी रहेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में इसकी घोषणा करते हुए बताया कि यह निर्णय निर्यातकों की मांग पर किया गया है। बयान में कहा गया है, 'सरकार को निर्यात संबंधन परिपट्टों और प्रमुख निर्यातकों से अनुरोध प्राप्त हुए थे कि हमें वर्तमान विदेश व्यापार नीति (2015-20) को अभी जारी रखना चाहिए।' इस नीति को कोविड19 महामारी के प्रकोप के बीच पहले भी समय-समय पर बढ़ाया गया था। मंत्रालय ने कहा है कि हाल के दिनों में, निर्यातकों और उद्योग निकार्यों ने सरकार से गहन आग्रह किया था कि इसे समय अस्थिर वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए, वर्तमान नीति को कुछ समय के लिए और जारी रखा जाना चाहिए। उनका यह भी कहना है कि इसके साथ ही नयी नीति इसके लिए अभी और अधिक परामर्श करना उचित होगा। मंत्रालय का कहना है कि सरकार नीतिगत निर्णयों में हमेशा ही यथा संभव सभी हितधारकों के साथ परामर्श करती रही है। बयान में कहा गया है कि अब यह नीति पहली अक्टूबर 2022 से छह महीने तक और लागू रहेगी।

अनुसूचित जाति की कल्याणकारी स्कीमों और ऋण के प्रदर्शन का समीक्षा करेंगी सीतारमण

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अनुसूचित जातियों के लिए चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं और ऋण आदि के क्षेत्र में सरकारी बैंकों के प्रदर्शन का कल समीक्षा करेंगी।आधिकारिक जानकारी के अनुसार कल यहां हो रही इस बैठक में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष, सरकारी बैंकों और सिडबी एवं नावार्ड जैसी वित्तीय संस्थानों के प्रमुख के साथ ही केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और डॉ भाग किशनारम कराड और वित्तीय सेवाओं के सचिव भी भाग लेंगे। सरकार ने अनुसूचित जातियों के कई कार्यक्रम शुरू किये हैं जिसमें स्टैंडअप इंडिया, क्रैडिट इन्फ़ार्मेट गारंटी स्कीम और वेंचर कैपिटल फंड आदि शामिल है। इन विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार अनुसूचित जातियों के साम्य विकास पर जोर दे रही है।

मारुति सुजुकी ने लॉजी एसयूवी गैड विटारा

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता मारुति सुजुकी ने सोमवार को अपनी नयी एसयूवी ग्रैंड विटारा को लांच किया और इसकी बाजार में खुदरा बिक्री शुरू हो गई है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि ग्रैंड विटारा की एक्स शोरूम कीमत 10.45 लाख रुपये से शुरू होगी इसके सबसे महंगे वेरिएंट की कीमत 19.65 लाख रुपये है। ग्रैंड विटारा को 10 रंगों में पेश किया गया है जिसमें तीन ड्यूट-टोन, छह मोनोकोर ली है और आलोककों ने भी इसकी सराहना की है। उन्होंने कहा, ग्रैंड विटारा ने कई पेशकशों के साथ ग्राहकों की एक विस्तृत श्रृंखला को आकर्षित किया है।

आरबीआई ने हिसार अर्बन कोऑपरेटिव बैंक पर लगाया जुर्माना

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हिसार अर्बन कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह कार्रवाई बैंक विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 35ए और 36(1) के तहत की गयी है। आरबीआई की यह कार्रवाई नियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है। केन्द्रीय बैंक ने यह जुर्माना बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 46(4) (आई) और धारा 56 के साथ पठित धारा 47ए (1) (सी) के प्रावधानों के तहत लगाया गया है।

जीआईएफ में ग्राहकों और विक्रेताओं की रि कॉर्ड मागीदारी

नयी दिल्ली। ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन डॉटइन ने प्राइम अली एक्सेस और ग्रेट इंडियन फेस्टिवल (जीआईएफ) के पहले दिन के साथ 36 घंटों की अब तक की सबसे बड़ी शॉपिंग की शुरुआत करने का दावा किया है। कंपनी ने आज जारी बयान में कहा कि उसके प्लेटफॉर्म पर एक दिन में सबसे अधिक प्राइम साइन अप प्राप्त हुए हैं जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 1.9 गुना अधिक थे। इन्हें से 68 प्रतिशत साइनअप टियर 2 और 3 शहरों प्राप्त हुए हैं। अमेजन के इंडिया कंज्यूमर बिजनेस के उपाध्यक्ष एवं कंट्री प्रबंधन मनीष तिवारी ने कहा, अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल ने ग्राहकों और सेलर पार्टनर्स की ओर से शानदार रिसपॉन्स के साथ एक रोमांचक शुरुआत की है।

देश का ऋण बाजार वित्त वर्ष 2021-22 में बढ़ा 11 प्रतिशत

एजेन्सी
नयी दिल्ली। देश का कुल ऋण बाजार वार्षिक आधार पर 11.1 प्रतिशत बढ़कर मार्च 2022 तक 174.3 लाख करोड़ रुपये का रहा जिसमें वाणिज्यिक, खुदरा और जिसमें वाणिज्यिक, खुदरा और माइक्रोफाइनेंस की कुल ऋण पोर्टफोलियो में क्रमशः 49.5, 48.9 और 1.6 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी। भारतीय क्रेडिट र्यूरी सीआरआईएफ हाई मार्क की हाड इंडिया लेंड्स रिपोर्ट के द्वितीय संस्करण के अनुसार, वित्त वर्ष 2020-21 में कोविड महामारी और वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में घातक दूसरी लहर की चुनौतियों का सामना करने के बाद देश में इस वित्त वर्ष की शेष अवधि में ऋण परिदृश्य में तेज सुधार देखा गया। वित्त वर्ष 2021-22 में खुदरा ऋणों में व्यक्तिगत ऋण में मूल्य के आधार पर 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि मात्रा के आधार पर 122 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इस क्षेत्र में पीएसबी, निजी बैंकों और एनबीएफसी का वर्चस्व रहा। क्रेडिट कार्डों में इस दौरान नए कार्ड की उत्पत्ति में 48 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और निजी बैंकों के नए कार्ड की उत्पत्ति की हिस्सेदारी 61.2 प्रतिशत से बढ़कर 71.44 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार दीर्घावधि वाहन के लिए ऋणों में मूल्य के आधार पर 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। गृह ऋण में मूल्य के आधार पर 29 प्रतिशत की वृद्धि और मात्रा में 20 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी। जबकि व्यवसाय ऋणों में मूल्य के आधार पर उत्पत्ति में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गयी। वित्त वर्ष 2021-22 में माइक्रोफाइनेंस ऋणों में मूल्य के आधार पर 22 प्रतिशत की वृद्धि और परिमाण के आधार पर उत्पत्ति में 13 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इस क्षेत्र में बैंकों और एनबीएफसी एमएफआई

जनरल वी.के सिंह ने दिल्ली-शिमला सीधी उड़ान सेवा का किया उद्घाटन

नयी दिल्ली। नागर विमानन राज्य मंत्री जनरल डॉ. वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त) और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने सोमवार को क्षेत्रीय वायुसेवा सम्पर्क बढ़ाने की उड़ान योजना के तहत दिल्ली से शिमला के लिए पुनः शुरू की गयी सीधी उड़ान सेवा का उद्घाटन किया। गाजियाबाद के हिंडन हवाई अड्डे पर इसके लिए आयोजित विशेष समारोह में उड़यन मंत्रालय के सचिव राजीव बंसल, सा सचिव उषा पाथी, सुरेश कश्यप, उपास (लोकसभा), हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि राज्य

देवेश कुमार, एयर इंडिया एसेट होल्टिंग कंपनी (एआईएचएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक विक्रम दत्त और एलायंस एयर के सीईओ विनीत सूद तथा अन्य अधिकारी तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। जनरल सिंह ने कहा कि यह उड़ान शिमला और दिल्ली एनसीआर के लोगों के लिए सुविधा प्रदान करेगी। मंत्रालय इस एटीआर कनेक्टिविटी को शिमला से कुल्लू और शिमला से धर्मशाला तक बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि राज्य

दिवाली त्यौहार पर व्यापारियों को बड़े व्यापार की उम्मीद

नयी दिल्ली। देश भर में व्यापारियों सोमवार को नवरात्र के पहले दिन से शुरू हुए इस वर्ष के दिवाली त्यौहारी सीजन को लेकर इस बार व्यापारियों की उम्मीदें उंची हैं और उनका मानना है कि इस दिवाली सीजन में चीन की जगह देश में बने सामानों का बोलबाला होगा।

परंपरागत व्यापारियों के एक शीर्ष संगठन ने कहा है है भारत में देश में बने सामानों पर जोर से चीन के व्यापार को सीजन में 75 हजार करोड़ रुपये तक का झटका लग सकता है। कोरोना के कारण पिछले दो साल दिवाली सीजन बुरी तरह प्रभावित रहा।

व्यापारियों के संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (केट) ने

गोल्डी सोलर की 5000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना

नयी दिल्ली। गोल्डी सोलर ने अपने बिजनेस के विस्तार से जुड़ी योजनाओं के तहत 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से जुड़ी योजना बनाते हुये एचजेटी टेक्नोलॉजी में प्रवेश करने की घोषणा की है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि नए और फ्लेगशिप प्रोजेक्ट हेल्को प्लस का अनावरण किया गया है। हेट्रोप्रक्शन टेक्नोलॉजी से लैस इस प्रोजेक्ट में कार्बन मॉड्यूल सीरीज का कम इस्तेमाल किया गया है। और इसकी दक्षता काफी अधिक है। गोल्डी सोलर का लक्ष्य मॉड्यूल, सेल और कच्चे माल निर्माण क्षमताओं के साथ एंड-टू-एंड और वर्टीकल इंटीग्रेटेड कंपनी बनना है। इसके अनुरूप कंपनी गुजरात में सेल मैनुफैक्चरिंग यूनिट में प्रोजेक्शन शुरू करने की योजना है। इसके बाद कंपनी अपनी क्षमता को बढ़ाकर 5 गीगावाट करने के साथ-

स्वदेशी एवीगैस 100 एलएल की शुरुआत, विदेशी मुद्रा की होगी बचत

नयी दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस व आवास और शहरी कार्य मंत्री हरदीप पुरी ने एवीगैस 100 एलएल को शुरू किए जाने के अवसर पर कहा कि हम एक उल्लेखनीय रूपान्तरण के दौर से गुजर रहे हैं जो लगभग क्रांतिकारी है। हम जैव ईंधन समिपण, हरित हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देकर आयातित ईंधन पर निर्भरा कम कर रहे हैं।

एवीगैस 100 एलएल पिस्टन इंजन विमान और मानव रहित वाहन के लिए विशेष विमानन ईंधन है। वर्तमान में देश इस उत्पाद को यूरोपीय देशों से आयात कर रहा है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि एवीगैस 100 एलएल की शुरुआत को लेकर इस कार्यक्रम का आयोजन इंडियन ऑयल ने हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर किया। इसमें नागरिक उड्डयन व सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री जनरल (डॉ.) वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त) समेत भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और उड़ान प्रशिक्षण अकादमियों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

श्री पुरी ने कहा कि भविष्य में पायलट प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षु विमानों में हवाईअड्डों पर यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी, विमानों व उड़ान प्रशिक्षण अकादमियों (एएनडी) की संख्या में बढ़ोतरी के साथ एक विकसित विमानन उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वदेशी एवीगैस का वर्चस्व रहा। इस दौरान वाणिज्यिक ऋणों में मूल्य के आधार पर 73 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी और निजी बैंकों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का इस क्षेत्र में दबदबा रहा। सीआरआईएफ हाई मार्क के प्रबंध निदेशक जॉन्सट डावर ने कहा,हमारी हाड इंडिया सलैस रिपोर्ट का दूसरा संस्करण इंडियन क्रेडिट इकोसिस्टम में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि के बारे में बताता है और इसका उद्देश्य ऋणदाताओं को सशक्त बनाना है। कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण उत्पन्न अभूतपूर्व चुनौतियों के बावजूद भारत के ऋण क्षेत्र में मजबूत विकास की गति बनी रही।

उन्होंने कहा,भारत में ऋण बाजार 174.3 लाख करोड़ रुपये का था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.1,1.1ब अधिक था। नतीजतन, वित्त वर्ष 22 में रिटेल, माइक्रोफाइनेंस और वाणिज्यिक ऋणों के क्षेत्र में नए ऋणों में जबरदस्त वृद्धि देखी गई।



सरकार नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सहयोग से राज्य में और अधिक हवाई संपर्क बनाने की दिशा में काम कर रही है।

दिल्ली और हिमाचल प्रदेश के बीच हवाई सम्पर्क बढ़ाने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय और एलायंस एयर ने दिल्ली-शिमला-दिल्ली उड़ान को फिर

सामानों पर रहने वाला है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने आज एक संयुक्त वक्तव्य में देश भर के व्यापारियों से आग्रह किया है की आजादी के अमृत महोत्सव काल में इस वर्ष की दिवाली को विशुद्ध रूप से 'भारतीय दिवाली-लोकल दिवाली' के रूप में मनाया जाए तथा देश भर में व्यापारी अपने घरों एवं दुकानों में वैदिक रीति से दिवाली पूजन करें और अपने ग्राहकों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

कैट का अनुमान है कि इस वर्ष दिवाली त्यौहार के दौरान चीन से आने वाले सामान के न आने से चीन को लगभग 75 हजार करोड़ रुपये के व्यापार का नुकसान हो सकता है।कैट

इसजु मोटर्स इंडिया के 10 साल पूरे, चालू वित्त वर्ष में 25 हजार वाहन देने की तैयारी

पुणे।जापान की इसजु मोटर्स लिमिटेड की अनुपंगी कंपनी इसजु मोटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को देश में 10 वर्ष पूरे हो गए हैं। कंपनी ने इस अवसर पर सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि वह वित्त वर्ष 2022-23 में 25000 वाहन ग्राहकों तक पहुंचाएगी। इसजु मोटर्स इंडिया के प्रबंधन निदेशक विटारु नाकानो ने कहा,कंपनी ने भारत में 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस दौरान कई चुनौतियां सामने आयी लेकिन हमने इसजु डी-मैक्स वी-क्रॉस, देश का पहला साहसिक उपयोगिता वाहन (एयूवी) के साथ भारत में एक नया स्थान बनाया है। उन्होंने कहा,आत्मनिर्भर भारत पहल के हिस्से के रूप में हमारे मेड इन इंडिया उत्पादों को अब पड़ोसी और खाड़ी देशों में निर्यात किया जा रहा है।

100 एलएल को शुरू किया जाना महत्वपूर्ण है।जैसा कि भविष्य में भारत में हवाई परिवहन की मांग कई गुना बढ़ने की उम्मीद है, इसे देखते हुए प्रशिक्षित पायलटों की भी भारी मांग होने वाली है। इंडियन ऑयल के अध्यक्ष श्रीकांत माधव वैद्य ने कहा, इंडियन ऑयल को अपनी रिफाइनिंग (परिशोधन) ताकत और इन-हाउस विश्वोपपत्ता का लाभ उठाकर इस विशेष ईंधन को शुरू करने पर गर्व है। वास्तव में स्वदेशी ईंधन आयातित ग्रेड की तुलना में बेहतर है। एवीगैस 100 एलएल की स्वदेशी उपलब्धता आयात पर निर्भरा को कम करेगी और संबंधित लॉजिस्टिक चुनौतियों का समाधान करने में सहायता करेगी।इस उत्पाद को घरेलू उपलब्धता से देश कीनती विदेशी मुद्रा को बचाने में सक्षम होगा। इससे पूरे भारत में 35 से अधिक एफटीओ को भी लाभ होगा।

इंडियन ऑयल के अध्यक्ष श्रीकांत माधव वैद्य ने कहा, इंडियन ऑयल को अपनी रिफाइनिंग (परिशोधन) ताकत और इन-हाउस विश्वोपपत्ता का लाभ उठाकर इस विशेष ईंधन को शुरू करने पर गर्व है। वास्तव में स्वदेशी ईंधन आयातित ग्रेड की तुलना में बेहतर है। एवीगैस बाजार के मौजूदा 1.92 अरब डॉलर से बढ़कर 2029 तक 2.71 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। हम घरेलू मांग को पूरा करने के अलावा निर्यात के अवसरों को लक्षित करने के लिए जल्द ही एक नई सुविधा स्थापित

सैमसंग व एक्सिस बैंक ने को-ब्रांडेड वीजा क्रेडिट कार्ड किया जारी

नयी दिल्ली। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग इंडिया और निजी क्षेत्र के तीसरे बड़े बैंक एक्सिस बैंक ने आज विशेष को-ब्रांडेड वीजा क्रेडिट कार्ड जारी करने की घोषणा की। सैमसंग दक्षिण-पश्चिम एशिया के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी केन कांग ने कहा सैमसंग में, हम नवाचार की शक्ति के माध्यम से अपने उपभोक्ताओं के जीवन में बदलाव लाने में विश्वास करते हैं। सैमसंग एक्सिस बैंक वीजा क्रेडिट कार्ड, हमारा विशेष रूप से भारत के लिए अलावा बड़ो नवाचार है जो हमारे ग्राहकों द्वारा सैमसंग के उत्पादों को खरीदने के तरीके और उद्योग के प्रमुख फीचर्स के जरिए सेवाओं पर किए जाने वाले खर्च के ढंग को बदल देगा। हमें अपने उपभोक्ताओं के हाथों में नियंत्रण रखने की शक्ति देने की बेहद खुशी है।

उन्होंने कहा कि सैमसंग एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड के साथ उपभोक्ताओं को साल भर सैमसंग के सभी उत्पादों और सेवाओं पर 10 प्रतिशत कैशबैक मिलेगा। उपभोक्ताओं सैमसंग एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 10 प्रतिशत कैशबैक ऑफ़र ईएमआई और बिना ईएमआई लेनदेन दोनों पर हासिल कर सकेंगे और बड़ रहे हैं। हम सैमसंग के मौजूदा ऑफ़र्स के अलावा उपलब्ध होगा। इस क्रेडिट कार्ड को इस प्रकार से डिजाइन किया गया है ताकि उपभोक्ताओं को उनके कार्ड का उपयोग करके सैमसंग उत्पादों और सेवाओं को खरीदने पर उन्हें हर बार रिवाइर्स मिल सके। स्मार्टफोन, टैबलेट, लैपटॉप, टेलीविजन,

शुरू किया है। सोमवार से यह सेवा पुन चालू हो गयी है और दैनिक रूप से परिचालित की जाएगी।

मंत्रालय के बयान के अनुसार यह उड़ान बिल्कुल नए एटीआर 42-600 विमान से दी जा रही है। फ्लाइट 9आई 821 दिल्ली से 0710 बजे प्रस्थान करेगी और 0820 बजे शिमला पहुंचेगी। फ्लाइट 9आई 822 शिमला से 0850 बजे प्रस्थान करेगी और 1000 बजे दिल्ली पहुंचेगी। दिल्ली-शिमला और शिमला-दिल्ली के लिए प्रारंभिक सर्वे-समावेशी करिया 2141/- रुपये होगा।

एलायंस एयर को इस उड़ान को 2017 में प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरी झंडी दिखाई गई थी। दो साल से अधिक समय तक संचालन के बाद, हवाई अड्डे के नवीनीकरण और उपयुक्त विमान की अनुपलब्धता के कारण इस उड़ान को बंद कर दिया गया था। इस बीच, एएआई ने शिमला हवाई अड्डे का नवीनीकरण किया है और एलायंस एयर ने विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश के हवाई अड्डों को जोड़ने के लिए एटीआर-42 विमानों को शामिल किया है।

कोरोना ने पुरुषों को रसोई की ओर किया आकर्षित

नयी दिल्ली। पति और पत्नी दोनों के कामकाजी होने के कारण पुरुष धीरे धीरे रसोई में खाना बनाने में हाथ बंटा रहे है और कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन से किचन की ओर पुरुषों का आकर्षण बढ़ा है। एक हजार परिवारों पर किये गये

एक सर्वेक्षण में यह दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि देश में 70 प्रतिशत से ज्यादा पति अब नियमित रूप से हाथ पकते हैं। कोरोना के दौरान या कोरोना के बाद पहली बार खाना पकाने के लिए 66 प्रतिशत पतियों ने किचन में प्रवेश किया। इमामी मंत्र मसाला ने उपभोक्ताओं के

व्यवहार संबंधी ट्रेंड्स को समझने के लिए फ़ाउंडेट मार्केट रिसर्च के साथ मिलकर किचन ट्रेड्स पर यह सर्वेक्षण किया जिसमें 35 साल की उम्र के पुरुषों एवं महिलाओं ने भाग लिया। इसमें भारत के उच्च एवं मध्यम वर्ग के परिवारों भाग लिया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 74 प्रतिशत विवाहित पुरुष हफ्ते में कम से कम चार से पांच बार खाना पकाने में हाथ बंटते हैं। सर्वेक्षण में शामिल 93 प्रतिशत लोगों का मानना है कि परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर खाना पकाने से आपसी मेलजोल और प्यार को बढ़ावा मिला है।

इस योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभाग ने पिछले दिनों कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। एक अन्य बयान के अनुसार श्री गौयल ने आज वेयरहाउसिंग विकास एवं विनियामक प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ भी आज एक समीक्षा बैठक की।

इस बैठक में मंत्री ने गोदामों के सुधार,रसद पहुंचाने में दक्षता, मैक्रो बीमा पॉलिसी और सभी गोदामों को नियमक के अधिकरण क्षेत्र में लाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

ऊंची ब्याज दर से सहमे निवेशक, सेंसेक्स-निफ्टी डेढ़ फीसद से अधिक लुढ़के

मुंबई। महंगाई को काबू में करने के लिए दुनिया भर में ब्याज दर में हो रही बढ़ोतरी के दबाव में वैश्विक बाजार में जारी गिरावट से सहमे निवेशकों की स्थायी स्तर पर हुई चोतरफा बिकवाली से घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार चौथे दिन भी कोहराम जारी रहा और सेंसेक्स-निफ्टी डेढ़ प्रतिशत से अधिक लुढ़क गए।बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 953.70 अंक यानी 1.64 प्रतिशत को बड़ी गिरावट लेकर 58 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे और करीब एक माह के निचले स्तर 57145.22 अंक पर आ गया।इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 311.05 अंक अर्थात 1.8 प्रतिशत लुढ़ककर 17016.30 अंक पर रहा।दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में भी जबरदस्त बिकवाली हुई, जिससे मिडकैप 2.84 प्रतिशत टूटकर 24,552.76 अंक और स्मॉलकैप 3.33 फीसदी लुढ़ककर 27,853.67 अंक पर रहा।इस दौरान बीएसई में कुल 3707 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2925 में गिरावट जबकि 660 में तेजी रही वहीं 122 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 41 कंपनियां लाल जबकि शेष नौ हरे निशान पर रही।बेकाबू महंगाई पर लागू लगाने के लिए अमेरिका, ब्रिटेन, स्वीडन और नॉर्वे में ब्याज दर में हुई बढ़ोतरी का अनुसर करते हुए रिजर्व बैंक भी 28-30 सितंबर को प्रस्तावित डिमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में एक बार फिर से बढ़ोतरी किये जाने की संभावना है।

एलायंस एयर को इस उड़ान को 2017 में प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरी झंडी दिखाई गई थी। दो साल से अधिक समय तक संचालन के बाद, हवाई अड्डे के नवीनीकरण और उपयुक्त विमान की अनुपलब्धता के कारण इस उड़ान को बंद कर दिया गया था।

इस बीच, एएआई ने शिमला हवाई अड्डे का नवीनीकरण किया है और एलायंस एयर ने विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश के हवाई अड्डों को जोड़ने के लिए एटीआर-42 विमानों को शामिल किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 74 प्रतिशत विवाहित पुरुष हफ्ते में कम से कम चार से पांच बार खाना पकाने में हाथ बंटते हैं। सर्वेक्षण में शामिल 93 प्रतिशत लोगों का मानना है कि परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर खाना पकाने से आपसी मेलजोल और प्यार को बढ़ावा मिला है।

इस योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभाग ने पिछले दिनों कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। एक अन्य बयान के अनुसार श्री गौयल ने आज वेयरहाउसिंग विकास एवं विनियामक प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ भी आज एक समीक्षा बैठक की।

इस बैठक में मंत्री ने गोदामों के सुधार,रसद पहुंचाने में दक्षता, मैक्रो बीमा पॉलिसी और सभी गोदामों को नियमक के अधिकरण क्षेत्र में लाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की।



राशन कार्ड धारक देश के किसी भी राशन दूकान से राशन प्राप्त कर सकता है। कई जगह राशन कार्ड धारकों में इस तरह के कार्ड के बारे में अभी जागरूकता की कमी है। इसके लिए अभियान चलाया जा रहा है।

योजना को 09 अगस्त, 2019 को चार राज्यों में एक प्रायोगिक परियोजना के तौर पर शुरू किया गया था।उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने अगस्त के शुरू में एक बयान में कहा था कि एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना

इस बैठक में मंत्री ने गोदामों के सुधार,रसद पहुंचाने में दक्षता, मैक्रो बीमा पॉलिसी और सभी गोदामों को नियमक के अधिकरण क्षेत्र में लाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

शार्ट न्यूज

कूडो चैम्पियनशीप 2022 पर बीकानेर का कब्जा



उदयपुर। कूडो एसोसिएशन ऑफ राजस्थान एवं सेन्साई काम्बेट गीयर्स इण्डिया के संयुक्त तवावधान में 9 वीं राज्य स्तरीय कूडो मार्शल आर्ट चैम्पियनशीप एवं तीसरी राजस्थान फेडरेशन कूडो कप का आज यहाँ समापन हो गया। शहर के न्यू भूपालपुर स्थित ओरबिट रिसोर्ट में महाराज कुंवरानी निवृत्त कुमारी मेवाड़ के मुख्य आतिथ्य एवं कूडो इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ इंडिया की फी के अध्यक्ष हार्शी मेहुल बोरा की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में 33 स्वर्ण, 26 रजत एवं 20 कांस्य पदकों के साथ बीकानेर की टीम सिरमौर रही। आल राजस्थान कूडो कप-2022 में सर्वाधिक 39 स्वर्ण पदकों के साथ जोधपुर ने कूडो कप-2022 अपने नाम किया। जनरल चैम्पियनशीप पर पिछले 9 वर्षों से मेजबान टीम सर्वाधिक पदकों एवं श्रेष्ठता के साथ अपना कब्जा बनाए रखे लेकिन इस बार भी 44 सर्वाधिक स्वर्ण पदकों के साथ प्रथम रही उदयपुर की टीम ने अपना दावा समर्पित कर दिया और बीकानेर के लिये अपना कब्जा छोड़ दिया। दूसरे स्थान पर 38 स्वर्ण, 19 रजत एवं 19 कांस्य पदक के साथ जोधपुर की टीम एवं 16 स्वर्ण 8 रजत एवं 12 कांस्य पदक के साथ अलवर की टीम तृतीय स्थान पर रही।

वाटिका ने प्रीमियर लीग खिताब जीता



नयी दिल्ली। पहली बार दिल्ली में फुटबॉल मानचित्र पर अवतरित हुई वाटिका एफसी ने सोमवार को फ्रेंड्स यूनाइटेड को 3-0 से हराकर पहली प्रीमियर लीग का खिताब जीत लिया। विजेता का खाता यूनाइटेड के रक्षक मोहम्मद खालिद के आत्मघाती गोल से खुला। इसके बाद वाटिका ने बदलू खिलाड़ी कुशांत और नहुल रावत के गोलों से दिल्ली के चैंपियन क्लब का ताज अपने सिर सजाया। नेहरू स्टेडियम पर खेले गए निर्णायक मैच का पहला हाफ बेहद नीरस और उबाऊ रहा, जहाँ वाटिका चैंपियन जैसा प्रदर्शन नहीं कर सकी। अधिकांश समय वाटिका का दबदबा रहा लेकिन फ्रांसिस और उसकी जगह खेलने उतरे कुशांत चौहान ने मौके बेकार किये। अंततः कुशांत ने तीसरे गोल के रूप में मिला गोल जमा कर गलतियों पर पर्दा डाल दिया। प्रीमियर लीग का समापन 29 सितंबर को सुदेवा और दिल्ली एफसी के बीच खेले जाने वाले आखिरी मैच के साथ होगा लेकिन वाटिका इस प्रतियोगिता की चैंपियन बनकर उभरी है। चैंपियन वाटिका को 3,50,000 रुपये के पुरस्कार से नवाजा जायेगा, जबकि डेढ़ लाख के दूसरे पुरस्कार की होड़ में दिल्ली एफसी और गढ़वाल शामिल हैं। दिन के दूसरे मैच में पूर्व लीग चैंपियन गढ़वाल हरीज ने उत्तराखंड को बड़े अंतर से परास्त किया।

तानिया भाटिया ने लंदन के होटल में सामान चोरी होने का आरोप लगाया

लंदन/कोलकाता। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर तानिया भाटिया ने सोमवार को आरोप लगाया कि लंदन के मेडा वेल में स्थित मैरियट होटल में टीम के ठहराव के दौरान उनके कमरे से नकदी एवं अन्य सामान की चोरी हुआ है। तानिया ने ट्वीट किया, मैरियट होटल लंदन मेडा वेल प्रबंधन से हैरान और निराश हूँ। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के साथ मेरे हाल के प्रवास के दौरान किसी ने मेरे कमरे में प्रवेश किया और नकदी, कार्ड, घड़ियाँ एवं आभूषण के साथ मेरा बैग चुरा लिया। यह होटल बहुत असुरक्षित है। उल्लेखनीय है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 एवं एकदिवसीय श्रृंखला के लिये इंग्लैंड गयी थी। विकेटकीपर तानिया भाटिया टी20 श्रृंखला के लिये चयनित 16-सदस्यीय टीम का हिस्सा थीं। तानिया ने अगले ट्वीट में कहा, इस मामले की त्वरित जांच और समाधान की उम्मीद करती हूँ। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की पसंद के होटल की सुरक्षा में इस तरह की चूक हैरान करने वाली है। उम्मीद है वे भी इसको संज्ञान में लेंगे।

डीन को रनआउट से पहले कई चेतानियां दी गयीं



कोलकाता। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने चाली डीन के विवादास्पद मगर वैध रनआउट पर सोमवार को कहा कि डीन को रनआउट से पहले कई चेतानियां दी गयीं थीं। इंग्लैंड के रण तीसरा एकदिवसीय मैच जीतने के लिये 39 गेंदों पर 17 रन की आवश्यकता थी तब डीन (47) नॉन-स्ट्राइकर छोर पर खड़ी थीं। पारी का 44वां ओवर फेंक रही दीप्ति ने डीन को क्रीज से बाहर निकाला हुआ पाया और रनआउट करके भारत को श्रृंखला में 3-0 से जीत दिलायी। दीप्ति ने इस घटना के बारे में बताया कि डीन को कई बार चेतानवी देने के बाद ऐसा करने की योजना बनायी गयी। दीप्ति ने टीम के कोलकाता में आगमन के बाद संवाददाताओं से कहा, यह एक योजना थी, क्योंकि हम उन्हें पहले ही (समय से पहले क्रीज छोड़ने के लिये) कई बार चेतानवी दे चुके थे। हमने यह काम नियमों और दिशानिर्देशों के अनुसार किया। हमने अंपायरों को भी बताया कि वह क्रीज से बाहर थीं। हम ज्यादा कुछ नहीं कर सकते थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियमों के अनुसार एक फौलिंग टीम के पास नॉन-स्ट्राइकर छोर पर खड़े बल्लेबाज को बिना चेतानवी के भी आउट करने का अधिकार होता है।

तस्नीम, प्रियांशु ने छत्तीसगढ़ अंतरराष्ट्रीय चैलेंज में खिताब जीते

रायपुर। पूर्व जूनियर विश्व नंबर एक तस्नीम मीर और प्रतिभाशाली प्रियांशु राजावत ने भारत छत्तीसगढ़ इंटरनेशनल चैलेंज बैडमिंटन टूर्नामेंट में सोमवार को क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब हासिल किये। पहले दौर में कई वरीय खिलाड़ियों को परेशान करने वाली तस्नीम ने फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त सामिया फारूकी को 14-21, 21-17, 21-11 से हराया जबकि राजावत ने खिलावी मुकाबले में अनुभवी शुभंकर डे को 21-13, 21-11 से मात दी। इसी बीच, एन सिको रेड्डी और रोहन कपूर की भारतीय जोड़ी ने मिश्रित युगल फाइनल में थाइलैंड के राचापोल एम और चसिनी के को 22-20, 23-21 से हराकर स्वदेशी सरजमीन पर जीत का परचम लहराया। पुरुष युगल फाइनल में ईशान भटनागर और के साई प्रतीक की भारतीय जोड़ी ने अपने हमवतन कृष्ण प्रसाद और विष्णुवर्धन गौड़ को 17-21, 21-15, 23-21 से मात दी। भारत के पास सभी वर्रा के खिलाज जीतने का अवसर था, लेकिन महिला युगल फाइनल में जापान की चिसातो होशी और मियु तकाहाशी ने बाजी मार ली। होशी-तकाहाशी की जोड़ी ने फाइनल में भारत की आरती सारा सुनील और पुजा डंडू को 12-21, 21-12, 21-7 से मात देकर पहला स्थान हासिल किया।

हंग थिन्ह मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट : पहली जीत के लिये वियतनाम से भिड़ेगा भारत

हो ची मिन्ह सिटी। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम हंग थिन्ह मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिये मंगलवार को मेजबान वियतनाम का सामना करेगी। भारत ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में सिंगापुर के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था। वियतनाम के खिलाफ ब्लू टाइगर्स के मैच से पहले हेड कोच झोर स्टिमक ने कहा कि वियतनाम तुलनात्मक रूप से मजबूत प्रतिद्वंद्वी है इसलिए उसके खिलाफ खेल का तरीका भी अलग है। स्टिमक ने मैच की पूर्व संस्था पर कहा, यह एक बहुत मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक बहुत ही अलग मैच होगा, इसलिए हमारा दृष्टिकोण भी उसी के अनुसार बदलेगा। हमें विशेष रूप से



उर्ध्वधार फुटबॉल और तेज ट्रांजिशन पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, साथ ही हमें अपने क्षेत्ररक्षण का भी ध्यान रखना होगा। वे लंबी दूरी के शॉट्स और उनके क्रॉस से एक वास्तविक खतरा पैदा

रोमांचक मैच में तीन रन से जीता पाकिस्तान

कराची। पाकिस्तान ने मोहम्मद रिजवान (88) के अर्द्धशतक के बाद हारिस रउफ (32/3) और मोहम्मद नवाज़ (35/3) को शानदार गेंदबाजी से इंग्लैंड को चौथे टी20 मैच में तीन रन से हराकर सात मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली है। पाकिस्तान ने रविवार को पहले बल्लेबाजी करते हुए रिजवान (67 गेंदें, 88 रन) की बद्दौलत 20 ओवर में 166 रन बनाये। इसके जवाब में इंग्लैंड 19.2 ओवर में 163 रन पर ऑलआउट हो गयी। इंग्लैंड ने 167 रन का पीछा करते हुए 57 रन पर चार विकेट गंवा दिये जिसके बाद हेरी ब्रूक और मोईन अली ने 49 रन की साझेदारी करके टीम को स्थिरता प्रदान की। ब्रूक ने 29 गेंदों पर 34 रन बनाये जबकि मोईन ने 20 गेंदों पर 29 रन जोड़े। ब्रूक और मोईन के आउट होने के बाद डेविड विली (11) भी जल्दी पवेलियन लौट गये। लायम डॉसन ने इंग्लैंड को जीत के करीब ले जाने के लिये 17 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की बद्दौलत 34 रन बनाये लेकिन टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा सके। इंग्लैंड को जब 10 गेंदों में मात्र पांच रन की आवश्यकता थी तब हारिस ने डॉसन को पवेलियन भेज दिया, और इंग्लैंड के अगले दो विकेट केवल एक रन ही जोड़ सके। हारिस ने ओली स्टोन को पहली ही गेंद पर क्लीन बॉल्ड किया, जबकि 11वें नंबर के बल्लेबाज रिस टोपली रन चुराने के प्रयास में रनआउट हुए और पाकिस्तान ने यह रोमांचक मुकामला तीन रन से जीत लिया। इससे पहले, इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया और रिजवान ने बाबर आजम के साथ पहले विकेट के लिये 11.5 ओवर में 97 रन जोड़े। बाबर ने 28 गेंदों पर तीन चौकों के साथ 36 रन बनाये जबकि रिजवान ने 67 गेंदों पर नौ चौकों और एक छक्के की मदद से 88 रन की पारी खेली। शान मसूद ने 19 गेंदों पर 21 रन बनाये, और आसिफ अली ने तीन गेंदों पर दो छकों की बद्दौलत 13 रन बनाकर टीम को 20 ओवर में 166.4 के स्कोर तक पहुंचाया।

मैंने सिंगापुर के खिलाफ उनका पहला मैच देखा है और वे (वियतनाम) एक बहुत ही अनुशासित टीम हैं। उनके पास पहले गेम के बाद रिकवरी के लिए पर्याप्त समय है, जबकि हमें यह देखने की जरूरत है कि हमारे कितने खिलाड़ी उपलब्ध होंगे और खेलने के लिए फिट होंगे। रिटमक ने टीम में महत्वपूर्ण बदलावों के संकेत देते हुए कहा, हमारे कुछ खिलाड़ी अभी तरोताजा हैं, इसलिए हम सुनिश्चित करेंगे कि हमारे पास वियतनाम के लिए पिच पर पर्याप्त ताकत और गति हो। भारत और वियतनाम के बीच मैच सिंगापुर के बीच मैच को करीब से देखा है, और उनका मानना है कि वियतनाम एक सुसंगठित टीम है।

गेंदबाजों के बचाव में उतरे रोहित शर्मा

हैदराबाद, 26 सितंबर (वार्ता) भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने डेथ ओवरों में खराब गेंदबाजी के चलन को संबोधित करते हुए कहा है कि तेज गेंदबाजों को समय देने की जरूरत है। एशिया कप 2022 में खराब प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में भी भारतीय गेंदबाज डेथ ओवरों में अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके, लेकिन कप्तान रोहित ने रविवार को मैच के बाद हर्षल पटेल और भुवनेश्वर कुमार से संबंधित सवालों के जवाब में दोनों गेंदबाजों का बचाव किया। रोहित ने रविवार को मैच के बाद हर्षल के बारे में कहा, चोट के बाद वापसी करना हमेशा मुश्किल होता है। वह दो महीनों तक क्रिकेट से दूर रहे। जब भी गेंदबाज चोट से गुजरकर वापस आते हैं तो यह आसान नहीं होता। हमने उन्हें इन तीन मैचों में उनके प्रदर्शन के आधार पर अपनी राय नहीं बना रहे क्योंकि हमें उनकी गुणवत्ता के बारे में पता है। उन्होंने कहा, उन्हें अतीत में हमारे लिये और अपनी फ्रेंचाइजी के लिये कई मुश्किल ओवर फेंके हैं। हमें उनकी गुणवत्ता पर भरोसा है। उनपर भरोसा करना जरूरी है और मुझे विश्वास है कि वह भी इन गलतियों को सुधारने का प्रयास कर रहे हैं। वह अपनी गेंदबाजी पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हर्षल ने इस विस्मरणीय श्रृंखला के पहले मैच में बिना विकेट लिये चार ओवर में 49 रन दिये जबकि वर्षाबाधित दूसरे टी20 में दो ओवर में 32 रन लुटायें। तीसरे मैच में उन्होंने केवल दो ही ओवर फेंके और 18 रन देकर एक विकेट लिया। रोहित ने कहा, हम जब भी नेट्स में अभ्यास करते हैं, वह हमेशा अपने कोशल पर काम कर रहे होते हैं। आप

विश्व कप में; बेहतर प्रभाव; डालने के लिये तत्पर हैं गुरजंत

बेंगलुरु। बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड गुरजंत सिंह ने कहा है कि वह अपने खेल में सुधार करने और आगामी विश्व कप में बड़ा प्रभाव डालने के लिए तत्पर हैं। हॉकी इंडिया ने सोमवार को गुरजंत के हवाले से कहा, मुझे खुशी है कि मैं राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक विजेता का हिस्सा था। ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों का पदक विजेता होना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। मैंने उन बिंदुओं पर ध्यान दिया है जिन पर मुझे सुधार करने की जरूरत है। मैं एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला जैसे आयोजनों में और भी बड़ा प्रभाव डालने के लिए तत्पर हूँ। भारत के 27 वर्षीय फॉरवर्ड ने कहा कि उन्हें एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला में घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का मौका मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, विश्व कप में खेलना हर हॉकी खिलाड़ी का सपना होता है। मुझे वास्तव में उम्मीद है कि मुझे हमारे घरेलू मैदान पर टूर्नामेंट खेलने का मौका दिया जाएगा। ओडिशा में हमेशा (हॉकी को लेकर) भूमिधाम होती है और मुझे यकीन है कि प्रशंसकों का समर्थन हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। गुरजंत ने भारतीय टीम की वर्तमान योजनाओं पर कहा, हम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-23 में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं। वहां अच्छा प्रदर्शन करने से हमें एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला के लिये आत्मविश्वास मिलेगा।

चाहते हैं कि खिलाड़ी मैदान में जाएं और सुधार करते रहें। हम इसके बारे में हमेशा बात करते हैं। मुझे विश्वास है कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म से ज्यादा दूर नहीं हैं। चोट से लौटे हर्षल के अलावा डेथ ओवरों में भुवनेश्वर कुमार की गेंदबाजी भी भारत के लिये निता का विषय रही है। भुवनेश्वर ने पिछले तीन हफ्तों में तीन बार 19वां ओवर फेंका है जिसमें उन्होंने क्रमशः 19, 14 और 16 रन दिये हैं। हैदराबाद में रविवार को खेले गये टी20 में भुवनेश्वर को 18वां ओवर फेंकने की जिम्मेदारी सौंपी गयी थी, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 21 रन जोड़े। रोहित का मानना है कि भुवनेश्वर भारत के लिये विश्वास लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन करते आये हैं। इसलिये उन्हें समय देना आवश्यक है। रोहित ने कहा, यह जरूरी है कि हम उन्हें समय दें। हम जानते हैं कि उनके अच्छे दिन उनके बुरे दिनों से ज्यादा रहे हैं। यह हम पिछले कुछ सालों में देख चुके हैं। उनका हालिया प्रदर्शन वैसा नहीं रहा जैसा वह चाहते थे, लेकिन यह किसी भी गेंदबाज के साथ हो सकता है। रोहित ने कहा कि टीम प्रबंधन भुवनेश्वर से डेथ ओवरों में गेंदबाजी के बारे में बात कर रहा था, और उन्हें पूरी उम्मीद है कि भुवी अपनी गेंदबाजी में सुधार करेंगे। रोहित ने हर्षल की तरह ही भुवनेश्वर के समर्थन में कहा कि प्रबंधन उनकी गुणवत्ता में विश्वास कर ता।

अमेरिकी यूनिवर्सिटी में कृपाण पहनने पर सिख छात्र को पहनाई हथकड़ी

अब पुलिस अधिकारी पर एवशन की मांग

वाशिंगटन। अमेरिका में एक सिख छात्र को कृपाण पहनने के लिए हिरासत में लिया गया। अमेरिकी पुलिस द्वारा बदसलूकी का यह मामला नार्थ कैरोलिना यूनिवर्सिटी का है। सिख छात्र को कथित तौर पर पांच सिख कारकों के अभिन्न अंगों में से एक कृपाण पहनने के लिए यूनिवर्सिटी कैम्पस से हिरासत में लिया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो देखा जा सकता है कि अमेरिकी पुलिस अधिकारी सिख युवक से कृपाण लेने की कोशिश कर रहा है। घटना का वीडियो शुरू में छात्र द्वारा शेयर किया गया था। जिसके बाद यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जब पुलिस



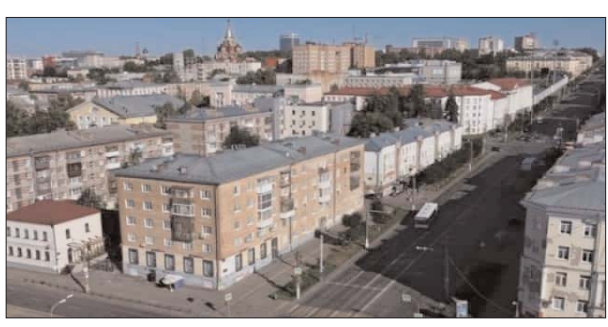
अधिकारी सिख छात्र से कृपाण लेने की कोशिश कर रहा था तो उसने अधिकारी से कहा कि यह उसके धर्म की निशानी है, वह इसे उतार नहीं सकता। हालांकि अधिकारी ने छात्र की बात नहीं मानी और कृपाण निकालने की कोशिश करने लगा। हालांकि इस पूरी घटना के दौरान छात्र अधिकारी से

सिंह धामी ने इस घटना की निंदा की और इसे अमेरिका में भारतीय राजदूत तनजीत सिंह के सामने उठवाया। उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर से अमेरिका में सिखों की धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया। इसके अलावा वीडियो को ट्विटर पर शेयर करते हुए, भारतीय जनता पार्टी के नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने लिखा, सिख कारकों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कई वैश्विक अभियानों के बावजूद, उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय में कैम्पस पुलिस द्वारा एक सिख युवक को उसके कृपाण के लिए हिरासत में लेना निराशाजनक है। मैं सिख छात्रों के प्रति विश्वविद्यालय के अधिकारियों के भेदभावपूर्ण रवैये की निंदा करता हूँ।

फ्लिपींस में सुपर टायफून नोरु का कहर, पांच की मौत; हमलावर ने खुद को भी मारी गोली

मनीला। फिलिपींस के ल्यूज़ोन द्वीप में सुपर टायफून नोरु के कारण हो रही जबरदस्त बारिश और तूफानी हवाओं ने कहर ढाया है और इसी चपेट में आकर पांच लोगों की मौत हो गयी है। सरकार की ओर से सोमवार को दी गयी जानकारी में बताया गया कि रविवार दोपहर में नोरु के प्रभाव में हुई तबाही के चपेट में आकर पांच लोगों की मौत हो गयी है। बुलाकान प्रांत के गर्वनर डेनियल फुर्नांडो ने कहा कि सोमवार सुबह आयी जबरदस्त बाढ़ में पांच राहतकर्मी बह गये। यह लोग राजधानी मनाली के उत्तरी शहर सान मिंगुएल में रहत एवं बचाव के कार्य में जुटे थे। राष्ट्रीय आपदा एजेंसी की ओर से इस बारे में रिपोर्ट अभी आनी है। देश के मौसम विभाग ने सुपर टायफून के रविवार देर दोपहर में जमीन से टकराने के बाद इसकी तीव्रता में कमी आने की बात कही थी।

रूस के एक स्कूल में गोलीबारी में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि मरने वालों में सात बच्चे शामिल हैं। एपी के मुताबिक एजेन्स शहर में गोलीबारी के बाद दहशत का माहौल है। वहीं गर्वनर और स्थानीय पुलिस का कहना है कि गोली चलाने वाले ने खुद को भी गोली मार ली। स्कूल को तत्काल खाली करा लिया गया है और घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। यहां के गर्वनर अलेक्जेंडर ब्रेशालोव ने कहा है कि स्कूल में पुलिस टीम मौजूद है। पिछले साल भी पूर्वी मॉस्को में ऐसी ही घटना हुई थी। यहां 19 साल के एक शख्स ने फायरिंग कर दी थी जिसमें 9 लोगों की मौत हुई थी। मरने वालों में 7 बच्चे शामिल थे। गृह मंत्रालय के मुताबिक एक शिक्षक



समेत कुछ बच्चों की भी मौत हुई है। हालांकि मरने वाले बच्चों की उम्र का पता नहीं चल पाया है। पुलिस के मुताबिक जब हमला हुआ, उस वक्त स्कूल में कोई गार्ड नहीं था। इस तरह के गोलीबारी के मामले अमेरिका में भी अक्सर सामने आते रहते हैं। बंदूक रखने के नियमों में ढील की वजह से कई बार लोगों को जान देकर इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। एजेंसियों का कहना है कि इस हिंसा की वजह घरेलू संघर्ष हो सकता है। बता दें कि रूस में इन दिनों सत्ता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हैं। यूक्रेन युद्ध के बीच जब से पुतिन ने लामबंदी की घोषणा की है तब से कड़ी संध्या में नागरिक देश छोड़कर जा रहे हैं। वहीं रूस में प्रदर्शन भी हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि पुतिन उन्हें बेवजह युद्ध में झोंकना चाहते हैं।

बंगलादेश में नाव पलटने से 39 लोगों की मौत

ढाका। बंगलादेश में पंचगढ़ जिले में श्रद्धालुओं से भरी एक नौका के करातोआ नदी में पलटने से कम से कम 39 लोगों की मृत्यु हो गयी जबकि 51 अन्य लापता हो गये हैं। अपर जिला मजिस्ट्रेट और जांच समिति के मुखिया दीपांकर राय ने सोमवार को बताया कि हादसा रविवार शाम उस समय हुआ जब श्रद्धालुओं से खचाखच भरी एक नाव असंगुलित होकर पलट गयी। नदी से अब तक 39 शव निकाले जा चुके हैं जिनमें 21 महिलायें, सात पुरुष और 11 बच्चे शामिल हैं। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। लापता लोगों की तलाश का जारी है। अग्निशमन अधिकारी शेख मोहम्मद महबुब आलम ने कहा कि अब तक जिन मृतकों की पहचान की गयी है उनमें पाली रानी, लक्ष्मी रानी, अमल चन्द्र, शोभा रानी, दीपांकर, प्रियांथा रानी, खुकी रानी, प्रमिला रानी, तारा रानी, शोनेका रानी, फाल्गुनी रानी, प्रमिला रानी, धनबाला, सुमित्रा रानी, सुफालता रानी, शिमला रानी, नाविक हसन अली, उशोशी रानी, तनुश्री रानी, श्रेयांसी रानी, बिमल चन्द्र, श्यामली रानी, ज्योतिष चन्द्र और रूपाली रानी शामिल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार श्रद्धालु धार्मिक समारोह में हिस्सा लेने के लिये नदी के दूसरे तट पर स्थित बोदेरी मंदिर जा रहे थे। नाव की क्षमता 40 यात्रियों की थी लेकिन उसमें 120 से अधिक लोग सवार थे। नाव पलटने पर कई लोग तैर कर तट पर आ गये लेकिन महिलाओं और बच्चों को बचाया नहीं जा सका। चीख-पुकार सुनकर स्थानीय ग्रामीणों मौके पर जुटे और उन्होंने प्रशासन को हादसे की सूचना दी।

दक्षिण कोरिया के मॉल में भीषण आग लगने से सात की मौत, एक घायल

सोल। दक्षिण कोरिया के डेजॉन शहर में सोमवार को एक आउटलेट मॉल में आग लगने से कम से कम सात लोगों की झुलस कर मौत हो गयी और अन्य एक गंभीर रूप से घायल हो गया। योनहाप समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी। एजेंसी के अनुसार, राधाशनी सोल से लगभग 160 किलोमीटर दक्षिण में स्थानीय समयानुसार आज सुबह करीब पाँच आठ बजे डेजॉन में स्थित एक मॉल के बेसमेंट पार्किंग में भीषण आग लग गई, जिसमें सात कर्मचारियों मौत हो गईं और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जब आग लगी उस समय पार्किंग बेसमेंट में आठ कर्मचारी काम कर रहे थे। इस दौरान, मॉल के आसपास के इमारतों से दमकल एवं बचाव कर्मियों ने वहां फंसे करीब 100 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला लिया। आग लगने के समय आउटलेट के आसपास कोई भी ग्राहक नहीं था क्योंकि यह ट्यूटन मॉल के खुलने से कुछ समय पहले हुई थी। अग्निशमन अधिकारियों ने 120 से अधिक कर्मियों और विभिन्न अग्निशमन उपकरणों को घटनास्थल पर भेजा गया है। स्थानीय समयानुसार अग्निशमन कर्मियों ने अपराह्न करीब तीन बजकर दो मिनट पर कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग की तपिस को टंडा करने की प्रक्रिया अभी भी चल रही है।

श्रीलंका से हर घंटे 32 लोग कर रहे हैं पलायन

कोलंबो। गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका से हर घंटे 32 नागरिक रोजी रोटी और बेहतर भविष्य की तलाश में अन्य देशों का रूख कर रहे हैं। 'नेशनल मूवमेंट फॉर जरूरत सोसाइटी' के चेयरमैन कारु जयमूर्थ ने सोमवार को प्रकाशित एक अखबार में यह सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि पुट्टलम जिले के चिंलाव में पिछले आठ महीनों में 500 से अधिक डॉक्टर देश छोड़कर जा चुके हैं। उन्होंने कहा आर्थिक मोर्चे पर व्यापक निराशा के भाव से श्रीलंकाई नागरिकों का देश के प्रति मोहभंग हो रहा है और यही कारण है कि सैकड़ों की तादाद में इंजीनियर और बुद्धिजीवी अन्य देशों का रूख कर चुके हैं। उनको लगता है कि ऐसा करने से वे अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा के साथ साथ उनका भविष्य भी सुरक्षित कर सकेंगे। जयमूर्थ ने कहा श्रीलंका में विश्वविद्यालय शिक्षा के लिए आश्रयक सुविधाओं की कमी के कारण, माता-पिता अब अपने बच्चों के साथ विदेश जाने के लिए अपनी संपत्ति बेचने के लिए मजबूर हो रहे हैं। ये देश के तेजी से पतन के संकेत हैं। कोई देश इस तरह से विकसित या समृद्ध नहीं हो सकता है। प्रत्येक नागरिक को इन मुद्दों की गहरी समझ होनी चाहिए।



क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं?

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं? या अपने पुराने आशियानो को ही नई रंगत देकर नया लुक देना चाहते हैं? यदि हाँ, तो आपकी घर की दीवारों को पेंट करवाने से पहले ये जरूर जान लीजिए कि किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समृद्धिदायक रंगों को, और पाएँ वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव...

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के लिए कई दिन पहले से घर में साफ-सफाई और रंग-रोगन का दौर शुरू हो जाता है। घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज-सज्जा व रंगों के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाते हैं।

- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तक्ति कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है और सकारात्मकता बनी रहती है।

- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हालांकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाए रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- पीला रंग सुकून व रोशनी देने वाला रंग होता है। घर के ड्राइंग रूम, ऑफिस आदि की दीवारों पर यदि आप पीला रंग करवाते हैं तो वास्तु के अनुसार यह शुभ होता है। अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको अपने कमरे की उत्तरी दीवार पर हरा रंग करना चाहिए।
- आसमानी रंग जल तत्व को इंगित करता है। घर की उत्तरी दीवार को इस रंग से रंगवाना चाहिए।
- घर के खिड़की दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं।
- जहां तक संभव हो सके घर को रंगवाने हेतु हमेशा हल्के रंगों का प्रयोग करें।



क्या है बच्चों की मालिश का परफेक्ट तरीका

कोरोनाकाल में घर से लेकर ऑफिस तक के काम का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में रात में बच्चों को सुलाने में मशक्कत करनी पड़े तो मन में खीज पैदा होना लाजिमी है। अगर काफी देर तक घुमाने-टहलाने और लोरी सुनाने के बाद भी आपके लाडले की आंखों में नींद नहीं भरती तो परेशान मत होइए। लंदन के मशहूर मसाज विशेषज्ञ ने मालिश की ऐसी विधि सुझाई है, जिससे आपका बच्चा मिनटों में नींद के आगोश में चला जाएगा।

मां-बाप की मशकत

- मां-बाप को बच्चे के जन्म के शुरुआती एक साल में 04 घंटे 44 मिनट की औसत नींद मिलती है
- 50 रातों की नींद गंवाने के बराबर है यह आंकड़ा, स्वस्थ वयस्कों को आठ घंटे रोजाना सोना चाहिए
- 54 मिनट औसतन रोजाना बच्चे को सुलाने में लगते हैं, तीन बार औसतन रात में उठता है बच्चा
- 02 मील रोजाना चलना-फिरना होता है मां-बाप का बच्चे को बहलाने, फुसलाने, सुलाने की प्रक्रिया में।

पूरे शरीर में लगाएं तेल

- सरसों, नारियल या जैतून का तेल लें, सिर से लेकर पांव तक हल्के हाथों से हर एक अंग में लगाएं

- अब ऊपर से नीचे की तरफ धीमी गति से हाथ फिराते हुए 10 से 15 मिनट तक बच्चे की मालिश करें
- बातों में उलझाए रखें**
 - साज करते समय चेहरे पर मुस्कराहट जरूर बनाए रखें
 - बच्चे से धीमे स्वर और तुलनाती भाषा में प्यार-भरी बातें करें
 - तेज मालिश करने से बचें, बच्चा रोए तो उस पर चिन्ता नहीं
- खास जगहों पर मसाज जरूरी**
 - नाक का ऊपरी हिस्सा - दोनों भौहों के बीच नाक के शुरुआती हिस्से पर अंगूठे और तर्जनी उंगली से हल्की मालिश करें। बच्चे का मन शांत करने में मदद मिलती है।
 - हथेली - दोनों हथेलियों पर धीमे-धीमे से हाथ फिराएं। पांचों उंगलियों के बीच के स्थान पर कम से कम 30 सेकेंड तक हल्की मसाज दें। दांत दर्द की समस्या दूर होगी।
 - पेट - दर्द, गैस, कब्ज की समस्या से राहत दिलाने और पाचन तंत्र को

- मजबूत बनाने के लिए पेट पर बाईं से दाईं ओर गोलाई में हल्के हाथ से पांच मिनट तक मसाज करें।
- पंजे - अंत में बच्चे के दोनों पैरों के पंजे अपने हाथों में लें। अब पंजे के बीच के हिस्से को अंगूठे से 10 से 15 सेकेंड के लिए दबाएं। उसका मस्तिष्क पूरी तरह से शांत हो जाएगा।
- मन शांत करने में मददगार**
 - हल्के हाथों की मालिश लव हार्मोन 'ऑक्सिटोसिन' का स्तर बढ़ाने के साथ ही स्ट्रेस हार्मोन 'कोर्टिसोल' का उत्पादन घटाने में कारगर
 - इससे बच्चे के मस्तिष्क में मौजूद अतिरिक्त ऊर्जा के शांत पड़ने से तन-मन को सुकून महसूस होता है, शरीर में सुस्ती भी छाती है
- गुनगुना दूध पिलाना भी फायदेमंद**
 - सोने-जगने का समय तय करें, उसे रोज अमल में भी लाएं
 - रात में बिस्तर पर आने के बाद बच्चे को गुनगुना दूध पिलाएं
 - कमरा हल्का ठंडा रखें, मुलायम गद्दे पर सुलाएं, लोरी सुनाएं

...तो रिश्ता हो जाएगा मजबूत

खुशियों का अहसास अपने से ही होता है। इससे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी
आप किसी से प्यार करते हैं तो

इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान
दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज
जहां यकीन है वहां शक होना भी



दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए। फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक-दूसरे को दें वक्त
एक-दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खटटास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक-दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक-दूसरे के साथ समय बिताएं।

बढ़ते बचपन के साथ व्यावहारिक समझ विकसित करती हैं बेटियां

बेटियां कैसे अपने बढ़ते बचपन के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियों और व्यावहारिक समझ को विकसित करती हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है एक पिता के द्वारा लिखा गया ये लेख।



सिर्फ ग्यारह साल की ही मेरी बेटियां। पांचवी में पढ़ती हैं। यूनिटरी फैमिली में एक बच्चे को क्या-क्या झेलना पड़ता है, इसका ज्वलंत उदाहरण है वह। मैं और मेरी पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं। हमने खुद से जद्दोजहद करते, बिना किसी सपोर्ट के जीवन जीना सीखा है और परिवार के बुजुर्गों की परवरिश से दूर मेरी बेटों ने भी खुद ही सबकुछ सीख लिया। जब वह डेढ़ साल की थी, तभी से मछली का कांटा निकाल कर खुद खाती थी। हम कामकाज में व्यस्त रहते और वह कांटा निकालने की तरकीब ढूंढती रहती। यह उसने अंततः सीख ही लिया। किसी दिन उसकी मां को एकजाम इयूटी के लिए रविवार के दिन सुबह आठ बजे ही निकलना होता। कभी-कभी मुझे भी कालेज में कक्षाएं लेने पत्नी के साथ ही आठ बजे निकलना होता है। उस वक्त बेटों की आंखों में यह सवाल होता है कि तुम दोनों शाम तक लौटोगे, तो मैं दिनभर क्या करूंगी, अकेली कैसे रहूंगी। पर वह बोलती कुछ नहीं। उसकी आंखों में हटात एक सूनापन सा आला है और आकर चला जाता है। वह तपाक से कहती है। तुमलोग जाओ। दरवाजे में बाहर से ताला लगा देना। मैं अंदर से कुड़ी बंद कर दूंगी और टीवी देखती रहूंगी। ऐसा कई बार हुआ है कि हम दोनों आठ-दस घंटे बाहर होते हैं और बेटों ने दिनभर टीवी देखते हुए, बाहर से ताला लगे बंद कमरे में खुद को अकेली बिताया है। जाते वक्त हम उसका खाना, बिरिचट वगैरह रख देते हैं। हिदायत देते हैं - बेटा आग के पास मत जाना, गैस मत खोलना। बिजली कट जाये, तो बिजली आने का इंतजार करना - माचिस मत जलाना। बेटों ठीक वैसा ही करती है। आज तक उसने वैसा ही किया है। यह सिलसिला पिछले चार-पांच सालों से चल रहा है। जब वह पांच-छह साल की थी, तब से। हम दिनभर अपने काम के साथ बेटों की चिंताओं में घुलते रहते हैं कि पता नहीं वह कैसी होगी। शाम को जब दरवाजे का ताला आकर खोलते हैं - तो कभी वह अपना हॉमवर्क कर रही होती है। उसने घर के अंदर, बंद ताले में खुद को सेंफ रखने के लिए सभी उपाय सीख लिए हैं। जैसे ही वह बाहर कोई आहट सुनती है, टीवी धीमा कर देती है। कोई आवाज नहीं निकालती। वह धीरे-धीरे बड़ी हो रही है। फिजिकली। मेटली वह समय से पहले ही बड़ी हो गयी है। यह सब उसे कुछ हमने सिखाया है, तो कुछ परिस्थितियों ने। अपनी कई मुश्किलें वह अपनी मां के साथ शेयर करती है, तो लगता है कि इसने अपना बचपना थोड़ा खोया, थोड़ा झटका है। महज ग्यारह साल की उम्र में उसे परिस्थितियों ने परिपक्व बना दिया है। पर, वह अकेली बितिआ है। उसे जीना इसी समाज में है।

वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों को इस तरह से करें टिमअप और रखें वॉर्डरोब को अपडेट

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दे पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढेर लग जाता है। वक्त है, कोरोना काल का जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग का हम सभी पालन कर रहे हैं। जिस वजह से हम अपना ज्यादातर समय घर पर ही बिता रहे हैं। तो क्यों न इस समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाए। आइए जानते कुछ टिप्स-

- खरीदें।
- पुराने शॉर्ट्स अलनारी में हैं तो फिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉर्ट्स भी नए लुक में नजर आते हैं।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती,
- टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ती भी पहने जा सकते हैं।
- ए लाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ती पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखेगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना टैंडी लुक देगा। साथ में एक्ससेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।

वॉर्डरोब में इन बातों का रखें ख्याल

- पैट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगह को कम घेरगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगार्मेंट्स आर्गनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें बा का कभी सेवशन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोर्ट्स, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलर यूज के लिए 5 से 6 अलग-अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ती हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट आर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैगिंग ज्वेलरी आर्गनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।

